राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 11 दिसंबर 2023 वर्ष-6,अंक-316 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑपरेशन के बाद KCR की तबीयत कैसी है? हेल्थ बुलेटिन में डॉक्टरों ने बताया कब लौटेंगे घर

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव कुछ दिन पहले चोट लगने के कारण अस्पताल में भर्ती हुए थे। ऑपरेशन के बाद उनकी हालत में थोड़ा सुधार हो रहा है। डॉक्टरों ने शनिवार को हेल्थ बुलेटिन जारी करते हुए कहा है कि उन्हें अभी दर्द तो नहीं हो रहा है लेकिन, वे लगातार डॉक्टरों की निगरानी पर हैं। हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में केसीआर की सफल सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने कहा है कि 69 वर्षीय नेता चिकित्सकीय रूप से स्थिर हैं। उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने हेल्थ बुलेटिन में कहा, उन्हें दर्द नहीं हो रहा है और उन्होंने पूरे दिन अच्छा आराम किया है। डॉक्टरों की टीम द्वारा उनकी सेहत पर

लगातार नजर रख रही है। डॉक्टरों ने कहा कि केसीआर को चिकित्सा प्रक्रिया के अनुसार चलने के लिए भी कहा गया है।

बुलेटिन में कहा गया, केसीआर को चिकित्सीय नियमों के अनुसार ही चलने को कहा गया। जैसे ऑपरेशन के कम से कम 12 घंटे बाद मरीज को चलना होता है। राव ने शनिवार को बिस्तर से उठकर कुछ देर वॉक भी किया। डॉक्टरों की टीम उन पर लगातार नजर रख रही है।÷ साथ ही डॉक्टरों ने कहा कि जल्द ही वे पूरी तरह से स्वस्थ होकर घर लौटेंगे। इलाज कर रहे डॉक्टरों ने यह भी कहा कि वे केसीआर के हेल्थ रिकवरी से संतुष्ट हैं। जल्द ही पूर्व की भांति चलने लगेंगे। गौरतलब है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख केसीआर आठ दिसंबर को एर्रावल्ली में अपने फार्महाउस पर गिर गए थे, जिनके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। राव ने हाल के विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बाद तीन दिसंबर को मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था। एर्रावल्ली फार्महाउस में वो आम लोगों से मुलाकात कर रहे थे जहां यह हादसा हुआ।

राजस्थान में किसे मिलेगी मोदी की गारंटी, वसुंधरा राजे या ओम माथुर ?

● राजस्थान में सीएम फेस को लेकर खींचतान जारी है। बड़ा सवाल यह है को मोदी की गारंटी किसी मिलेगी। वसुंधरा राजे की वापसी होगी या फिर नए चेहरे को मौका मिलेगा। सोमवार को नया सीएम मिलने की संभावना है।

जयपुर। राजस्थान में सीएम फेस को लेकर खींचतान जारी है। बड़ा सवाल यह है को मोदी की गारंटी किसी मिलेगी। वसुंधरा राजे की वापसी होगी या फिर नए चेहरे को मौका मिलेगा। फिलहाल सोमवार को नए स मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत प्रमुख दावेदार माने जाते हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि राजस्थान में आधा दर्जन नाम सीएम रेस की शामिल है। इनमें से कुछ नाम रेस से बाहर हो गए हैं। महंत बालकनाथ और किरोड़ी लाल मीणा ने खुद को रेस से बाहर बताया है। जबकि वसुंधरा राजे को सीएम बनाना ही था तो पार्टी उन्हीं के चेहरे पर विधानसभा का चुनाव लड़ती। लेकिन पीएम मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा गया है। सियासी जानकारों का कहना है कि ऐसे में वसुंधरा राजे के चांस भी कम ही बन रहे हैं।

दलित व्यक्ति या ओबीसी चेहरे पर दांव खेल सकती है

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राजस्थान का सीएम लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर ही बनाया जाएगा। ऐसे में बीजेपी दलित व्यक्ति या ओबीसी चेहरे पर दांव खेल सकती है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल का नाम भी सीएम रेस चल रहा है। यदि पार्टी को संगठन के हिसाब से सीएम का चयन करना है तो ओम माथुर सबसे फिट दिखाई दे रहे हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि ओम माथुर को जहां भी भेजा गया है, वहां पार्टी को जीत दिलाई है। चाहे यूपी हो या फिर छत्तीसगढ़। ऐसे में संभावना है कि ओम माथुर पर पार्टी दांव खेल सकती है।

किरोड़ी लाल और शेखावत रेस से बाहर?

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राजस्थान के संभावित दावेदारों में शामिल महंत बालकनाथ ने खुद को अलग कर लिया है। बालकनाथ के ट्वीट से अटकलों को बल मिला है कि वह रेस से बाहर हो गए है। माना जा रहा है कि बालकनाथ को धैर्य रखने के लिए कहां गया है। सियासी जानकारों का कहना है कि किरोड़ी लाल पर जाति विशेष का ठपा है। ऐसे में उनकी संभावना भी कम ही दिखाई दे रही है।

सियासी जानकारों का कहना है कि किरोड़ी लाल की दिल्ली में पकड़ कमजोर है। यही वजह है कि 40 साल के राजनीतिक कैरियर में किरोड़ी लाल को संगठन और सरकार में बड़ा पद नहीं मिला है। जबकि उनसे जूनियर सतीश पूनिया, गजेंद्र सिंह शेखावत और अर्जुन मेघवाल को बड़े पद मिले हैं। ऐसे में सियासी जानकारों का कहना है कि किरोड़ी लाल पर शायद ही बीजेपी आलाकमान अपनी मुहर लगाए। किरोड़ी लालज जमीन से जुड़े नेता माने जाते हैं। यह छवि आड़े आ जाती है।

सियासी जानकारों का कहना कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर बीजेपी दांव खेलने से परहेज कर सकती है। क्योंकि उन पर करप्शन के आरोप है। हालांकि, शेखावत मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। मोदी और अमित शाह पसंद भी करते हैं। लेकिन सियासी जानकारों का कहना है कि वसुंधरा राजे कैंप शेखावत को पसंद नहीं करता है। ऐसे में पार्टी आलाकमान सब की सहमति शेखावत पर नहीं बना पाएगा। सियासी जानकारों का कहना है कि शेखावत को सीएम बनाने की मंशा होती वह विधायक का चुनाव लड़ते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

कॉरपोरेट सेक्टर को स्वयं प्रेरित होकर देश के उत्थान में योगदान देना चाहिए : राजनाथ

मुंबई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि कॉरपोरेट क्षेत्र को देश के उत्थान में योगदान देने के लिए स्वयं प्रेरित होना चाहिए।

श्री सिंह शनिवार शाम बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में संपन्न सीएसआर जर्नल उत्कृष्टता पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सामाजिक जिम्मेदारी किसी भी कर का भुगतान करने से अलग है जो कानूनी रूप से बाध्यकारी है। जब हम कोई टैक्स देते हैं तो समाज हमसे नहीं जुड़ा होता है, जब कई लोग देश के कल्याण में मदद करते हैं तो समाज हमसे जुड़ा होता है।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्य मंत्री सुधीर मुंग एंटीवार, द सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस के अमित उपाध्याय, प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त उदय माहुरकर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्री सिंह ने कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। परस्पर निर्भरता के बंधनों को तोड़ा नहीं जा सकता। अगर आप मुसीबत के समय किसी व्यक्ति की मदद करते हैं तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह व्यक्ति कितनी दौलत से मदद कर रहा है। ऐसे में यह देखा जाता है कि किस व्यक्ति ने तुरंत मदद की। समाज में भाईचारे और मदद की भावना होनी चाहिए।

बरेली-नैनीताल हाईवे पर बड़ा हादसा, कार और ट्रक में टक्कर, 8 लोग जिंदा जले

बरेली। बरेली में भोजीपुरा हाईवे पर रात करीब 11 बजे डंपर और कार में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि दोनों गाड़ियों में आग लग गई। डंपर का ड्राइवर तो जान बचाकर भाग गया लेकिन कार में सवार आठ लोग जिंदा जल गए। इसमें एक बच्चा भी शामिल है। नैनीताल हाईवे पर रात 11 बजे बरेली से बहेड़ी की तरफ अर्टिगा कार जा रही थी। हाईवे पर भोजीपुरा के पास गाड़ी अचानक कंट्रोल से बाहर होकर डिवाइडर पार करती हुई दूसरी तरफ चली गई। दूसरी तरफ सामने से तेज रफ्तार आ रही डंपर से कार टकरा गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि डंपर और कार में भयानक आग लग गई। हाईवे पर टायर के निशान देखने से पता चल रहा है कि कार करीब 100 मीटर तक डंपर में फंसकर रोड पर घिसटती चली गई। बताया जा रहा है कि किसी को भी कार से निकलने का अवसर नहीं मिला। सेवन सीटर अर्टिगा कार में सवार सभी लोगों के जिंदा जल गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। तुरंत ही कार और डंपर में लगी आग को बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया गया। प्राथमिक सूचना के आधार पर पुलिस का कहना है कि मरने वालों की संख्या आठ है।

शादी समारोह के लिए बुक की गई थी कार-कार के नंबर से पता चला है कि अर्टिगा गाड़ी बहेड़ी के रामलीला मोहल्ला के रहने वाले सुमित गुप्ता की है। इस कार को नारायण नगला गांव के फुरकान ने बुक किया था। बताया जा रहा है कि कार शादी समारोह के लिए बुक की गई थी।

कार की सीट पर थे कंकाल, पलभर में सब हुआ खाक

शादी समारोह से लौटते समय डंफर व अर्टिगा कार में हुई टक्कर से कार आग का गोला बन गई। देखते ही देखते कार के अंदर सवार सभी लोगों की जलकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया तो कार के अंदर सीटों पर केवल कंकाल ही थे। मौके का नजारा देख यहां पहुंचे अफसरों समेत प्रत्यक्ष दर्शियों की भी आंखें नम हो गईं।

कार मालिक पर होगी कार्रवाई

दरअसल जिस कार में हादसा हुआ वह अर्टिगा कार बहेड़ी के रामलीला मोहल्ला के रहने वाले सुमित गुप्ता के नाम से आरटीओ में पंजीकृत है। इस कार को बुकिंग में चलाया जा रहा था। निजी गाड़ी का बुकिंग में इस्तेमाल करना गैर कानूनी है।

राजगोपालाचारी की जयंती पर खडगे ने की श्रद्धांजलि अर्पित

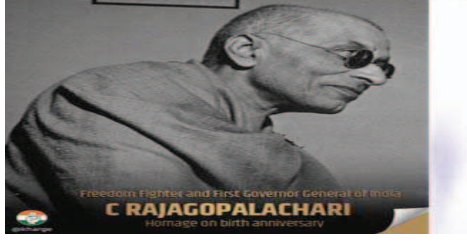

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे अपने देश के पूर्व गवर्नर जनरल और महान स्वतंत्रता सेनानी सी राजगोपालाचारी को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। खडगे ने चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को उद्धृत करते हुए कहा , ÷एकरूपता थोपकर आप देश में एकता नहीं ला सकते- राजगोपालाचारी। उन्होंने कहा भारत रत्न सी. राजगोपालाचारी को उनकी जयंती पर हमारी विनम्र श्रद्धांजलि। महात्मा गांधी ने उन्हें अपना अंतरात्मा का रक्षक बताया। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी राजाजी कुशल लेखक, विश्वशांति, निरस्त्रीकरण तथा दलित अधिकारों के प्रबल समर्थक होने के साथ ही राष्ट्रीय आंदोलन के एक मजबूत स्तंभ थे। कांग्रेस पार्टी ने भी अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा सामाजिक सुधार के प्रति समर्पित सी राजगोपालाचारी ने दलितों के उत्थान के लिए काम किया और मद्रास प्रेसीडेंसी में मंदिर प्रवेश उद्घोषणा भी जारी की।

गोगामेड़ी हत्याकांड के 3 आरोपी गिरफ्तार

दो शूटर; दिल्ली-राजस्थान पुलिस ने चंडीगढ़ से हिरासत में लिया; अब तक 4 आरोपी पकड़े गए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के तीन अन्य आरोपियों को शनिवार-रविवार की दरमियानी रात पुलिस ने चंडीगढ़ से गिरफ्तार में ले लिया। ये चंडीगढ़ सेक्टर 22 में शराब ठेके के ऊपर बने कमरे में छिपे थे। गिरफ्तार किए गए दो आरोपी- रोहित राठौड़ और नितिन फौजी, हत्या के मुख्य गुनहगार हैं। तीसरे आरोपी के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को राजस्थान पुलिस के साथ ज्वॉइंट ऑपरेशन में यह कामयाबी मिली है। तीनों

आरोपियों को दिल्ली क्राइम ब्रांच के ऑफिस लाया गया, जहां से पुलिस इन्हें लेकर जयपुर निकल गई है। इससे पहले शनिवार को जयपुर पुलिस ने शूटर्स की मदद करने वाले रामवीर को गिरफ्तार किया था। ये शूटर नितिन फौजी का दोस्त है।

रोहित ने ली थी गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी

शनिवार रात गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों में से एक रोहित राठौड़ (रोहित गोदारा) गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई की गैंग का गुर्गा है। उसने गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। पुलिस ने उस पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। गोदारा 2022 में फर्जी नाम से पासपोर्ट बनवाकर देश से बाहर भाग गया था। गोदारा विदेश जाने से पहले बीकानेर के लूणकरणसर में कपूरियासर में रहता था। चूरू के सरदारशहर में 2019 में भींवराज सारण की हत्या के मामले में भी मुख्य आरोपी था। गैंगस्टर राजू ठेहट के मर्डर की भी गोदारा ने जिम्मेदारी ली थी।

करणी सेना के अध्यक्ष को घर में घुसकर गोलियां मारी थीं

5 दिसंबर को दिनदहाड़े 2 बदमाशों ने गोगामेड़ी पर गोलियां चलाईं, फिर भाग निकले थे। गोगामेड़ी को मेट्रो मास हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के दौरान मौजूद गार्ड अजीत सिंह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बदमाशों की फायरिंग में नवीन शेखावत की भी मौत हो गई थी। नवीन ही बदमाशों को गोगामेड़ी के घर ले गया था।

घने कोहरे की चपेट में आने वाले हैं ये 5 राज्य, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट; हो जाएं सावधान!

नई दिल्ली। साल के आखिरी महीने में उत्तर भारत के हिस्सों में मौसम तेजी से बदल रहा है। सुबह और शाम के वक्त ठंड से कंपकपी बढ़ने लगी है। कई राज्यों में सुबह में कोहरे की धुंध छाई रहती है तो शीतलहर का प्रकोप भी शुरू हो गया है। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार और सोमवार को 5 राज्यों में कोहरे का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, उत्तरी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में अलग-अलग इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। अगर उत्तराखंड की बात करें तो वहां पारा तेजी से लुढ़क रहा है। IMD के मुताबिक, अगले हफ्ते उत्तर भारत के राज्यों में ठिठुरन और बढ़ जाएगी। इसलिए लोगों को पहले से सतर्क रहने के लिए कहा गया है। नई दिल्ली के कई इलाकों में कोहरे के चलते सुबह और शाम के वक्त लोगों को आवाजाही में दिक्कतें पेश आ रही हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के धौला कुआं इलाके में रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। CPCB ने बताया कि दिल्ली के मुनिरका में भी आज वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में है। मौसम विभाग ने सोमवार को धुंध छाए रहने की संभावना जताई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24 और नौ डिग्री

सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

मध्य प्रदेश-पश्चिम बंगाल समेत कई इलाकों में कोहरा

मालूम हो कि शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा 51 और 100 के बीच को संतोषजनक 101 और 200 के बीच को मध्यम, 201 और 300 के बीच को खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब, 401 और 450 के बीच गंभीर और 450 से ऊपर अति गंभीर माना जाता है। ढ्ढरूष्ठ का कहना है कि मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में रविवार और सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा रहने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, 11 दिसंबर से एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय को प्रभावित करने वाला है। इसके चलते अगले 24 घंटों के दौरान तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई जब न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। शुक्रवार की रात तापमान गुरुवार को दर्ज हुए शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले दो डिग्री कम दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी में पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा। मौसम कार्यालय ने कहा कि 11 दिसंबर तक आसमान में सामान्यत– बादल छाए रहेंगे लेकिन मौसम शुष्क रहेगा और रात में तापमान में कुछ डिग्री तक गिरावट आ सकती है। कार्यालय ने कहा कि 12 से 15 दिसंबर तक जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सबसे गर्म दशक

यह दुनिया के नीति-नियंताओं के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग ने घातक स्तर पर दस्तक देनी शुरू कर दी है। वर्ष 1990 के बाद के सभी दशकों में हमारा वातावरण लगातार गर्म होता जा रहा है। हरेक दशक पिछले दशक की तुलना में अधिक गर्म रहा है। लेकिन वर्ष 2011 से 2020 का दशक अब तक सबसे ज्यादा गर्म रहा है। जो जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों की ओर इशारा कर रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ ने चेतावनी दी है कि इस चिंताजनक स्थिति में बदलाव की प्रवृत्ति में सुधार के तात्कालिक संकेत नजर नहीं आते। डब्ल्यूएमओ की हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सघनता भूमि और समुद्र के तापमान में वृद्धि कर रही है। जिसके फलस्वरूप ग्लेशियरों की बर्फ पिघलने से समुद्र के जलस्तर में नाटकीय ढंग से वृद्धि दर्ज की जा रही है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि पिछले दशक में दुनिया भर के ग्लेशियर औसतन प्रतिवर्ष एक मीटर पतले हो गए हैं। संकट की स्थिति का पता इस बात से लगाया जा सकता है कि इस सदी के पहले दशक के मुकाबले दूसरे दशक के दौरान अंटार्कटिक महाद्वीपीय बर्फ की चादर में 75 फीसदी की कमी आई है। यह गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि अंटार्कटिक महाद्वीप की यह बर्फ की चादर दुनिया के लिये रेफ्रीजरेटर का काम करती है। इस संकट के निहितार्थ यह हैं कि दुनिया में ताजे पानी की उपलब्धता में तेजी से कमी आएगी। वहीं दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से निचले तटीय इलाकों में बसे शहरों में जल प्लावन का संकट पैदा होगा। फलतः बड़े पैमाने पर पलायन का संकट पैदा हो सकता है। लेकिन इस आसन्न संकट के बावजूद दुनिया के विकसित देश पर्यावरण संकट को दूर करने के प्रयासों को लेकर एकजुट नजर नहीं आते। जिसका खमियाजा विकासशील देशों को खतरनाक ढंग से भुगतना पड़ रहा है। निस्संदेह, ये संकेत बता रहे हैं कि दुनिया का मौसम बेहद खतरनाक होता जा रहा है। जिसका हमारे सामाजिक-आर्थिक विकास पर स्पष्ट नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। वैसे यह भी एक हकीकत है कि दुनिया में विज्ञान व संचार क्रांति के चलते प्राकृतिक आपदाओं का पूर्व अनुमान लगाना संभव हो सका है। जिसके चलते हम लाखों जिंदगियों को बचाने में सक्षम होते हैं। भारत में लगातार आ रहे चक्रवात व तूफानों के पूर्वानुमान से समय रहते लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर अल्पकाल के लिये स्थानांतरित किया जा सका है। आधुनिक तकनीक के चलते मानवीय क्षति को जरूर कम किया गया, लेकिन हमारा आर्थिक नुकसान खासा बढ़ा है। नागरिक जीवन से जुड़े संरचनात्मक विकास को इन आपदाओं से भारी क्षति हुई है। निश्चित रूप से चेतावनी प्रणालियों और आपदा प्रबंधन में सुधार के परिणामस्वरूप प्राकृतिक आपदाओं में हताहतों की संख्या में गिरावट आई है। यह परेशान करने वाला तथ्य है कि पिछले एक दशक में आपदाओं से हुए विस्थापन में 94 फीसदी के लिये मौसम और जलवायु परिवर्तन संबंधी घटनाएं जिम्मेदार रही हैं। जहां एक ओर हीटवेव सबसे अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार थी, वहीं उष्णकटिबंधीय चक्रवातों ने सबसे अधिक आर्थिक क्षति पहुंचायी है। इन हालातों को देखते हुए ही संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी डब्ल्यूएमओ ने संकट से बचाव के लिये महत्वाकांक्षी जलवायु संरक्षण कार्रवाई का आह्वान किया है।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

जीडीपी का हिस्सा बनें सामाजिक-पर्यावरणीय सरोकार

'आधुनिक वैज्ञानिक खेती और वन उपायों' ने प्रकृति का खुद का जीवन बरकरार रखने वाली प्रणाली को तहस-नहस कर दिया है। आधुनिकता, वैज्ञानिकता, आर्थिक तरक्की अच्छी बात है। इन्होंने मनुष्य के जीवन काल में इजाफा किया है। बहुत से देशों में बुजुर्गों की गिनती युवाओं से अधिक हो गई है। उनकी सरकारें महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहन पैकेज तक देने लगी हैं ताकि अर्थव्यवस्था सतत बनी रहे।

अरुण मायरा

पृथ्वी की सेहत, इसके वन, नदियां, महासागर और हवा संकट में हैं। मौसम में हो रहे बेलगाम बदलावों से इसी सदी के अंदर जीवन बदल जाएगा। दुबई में आयोजित कॉप-28 पर्यावरण सम्मेलन में शामिल हुए विश्व के नेता इसको थामने के उपायों पर सहमति के लिए प्रयास कर रहे हैं। पांच दिसम्बर को 'विश्व मृदा दिवस' मनाए जाने के साथ मेरे मन में अन्य शाश्वत विचार घुमड़ रहा है : वह मिट्टी जो सबको जीवन प्रदान करती है, उसकी अपनी सेहत कैसी है? विषैली धरती में डाले गए बीज उगने से रहे। प्राति चालित अर्थव्यवस्था की नीतियों ने उसी प्राकृतिक पर्यावरण को क्षतिग्रस्त कर डाला, जिसके दम पर तमाम जीवन है। यह विचारधारा, जिसे बदलना कठिन है, आवश्यक पर्यावरणीय सुधारों को रोकती है और सततापूर्ण विकास ध्येयपूर्ति को धीमा बनाती है, इसमें सामाजिक चुनौतियां और मौसम में बदलाव जैसे विषय भी शामिल हैं। प्रकृति अपनी मिट्टी की सेहत कैसे बनाए रखती है? शायद कुदरत से सीखे गए सबक संस्थानों द्वारा आर्थिक तरक्की को परिभाषित करने की परंपरा और विचारों को बदलने में हमारा मार्गदर्शन कर पाएं। पंजाब के कृषकों को व्यापक पैमाने पर अन्न उत्पादन करने की तकनीकें और जरूरी साधन मुहैया करवाए गए थे ताकि देश का पेट भरने को गेहूं और चावल का उत्पादन बढ़ सके- इसके लिए मोनोकल्चर एग्रीकल्चर के साथ आयातित बीज-खाद और बांधों, नहरों और भूजल स्रोतों से सिंचाई जल भी उपलब्ध करवाया गया। भूजल स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंचता देख, धान बुवाई का समय बारिश की आमद के साथ जोड़ा गया। लेकिन इससे धान-कटाई और गेहूं-बिजाई के बीच पराली उठान के लिए समय घटता गया। किसान पराली को नैसर्गिक रूप से मिट्टी में जज्ब होने का इंतजार करने या इसका उपयोग कहीं और करने की बजाय, जलाने लगे। इससे प्राकृतिक अपशिष्ट क्षरण चक्र जाता रहा। अब किसानों को ऐसी नई तकनीकों की जरूरत है जिससे कि पराली अन्य कहीं इस्तेमाल के लिए खेत से उठ पाए। परंतु उनके पास इस हेतु आर्थिक स्रोत नहीं है। इसी बीच रसायनों के प्रयोग से उनकी मिट्टी विषैली होती गई। किसी प्राकृतिक वन या भूभाग में नाना प्रकार की वनस्पतियां, पक्षी, जीव और कीड़े-मकोड़े हुआ करते हैं, जिनका जीवन-चक्र एक-दूसरे पर निर्भर है। इस सबका जीवन प्रकृति की जटिल व्यवस्था पर आश्रित है। मनुष्य ने खेत में खरपतवार समझी जाने वाली हरेक नस्ल को पनपने नहीं दिया। इस तरह खेत में केवल एक प्रजाति की पौध रखकर उत्पादन करना और कमाई बढ़ाते जाने वाला तरीका अपनाया। 'आधुनिक वैज्ञानिक खेती और वन उपायों' ने प्रकृति का खुद का जीवन बरकरार रखने वाली प्रणाली को तहस-नहस कर दिया है। आधुनिकता, वैज्ञानिकता, आर्थिक तरक्की अच्छी बात है। इन्होंने मनुष्य के जीवन काल में इजाफा किया है। बहुत से देशों में बुजुर्गों की गिनती युवाओं से अधिक हो गई है। उनकी सरकारें महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहन पैकेज तक देने लगी हैं ताकि अर्थव्यवस्था सतत बनी रहे। यहां तक कि भारत में भी, कुछ ही सालों में बुजुर्गों की जनसंख्या युवाओं से ज्यादा हो जाएगी और हमें 'वृद्ध भारत' वाली स्थिति से निपटने की तैयारी करनी होगी। मौजूदा अर्थव्यवस्था प्रणाली में न तो वृद्धों को और न ही परिवार या समुदाय की देखभाल को 'उत्पादक' माना जाता है। अर्थशास्त्रियों की इच्छा है कि अधिक संख्या में महिलाएं नव-उद्यमी बनें ताकि जीडीपी में इजाफा हो, भले ही इससे परिवार और बुजुर्गों की अनदेखी हो। देखभाल की इस बढ़ती जरूरत को पूरा करने को नए-नए उपाय, जो कि अधिकांशतः पेशेवर हैं, ढूंढे जा रहे हैं। बताया जाता है कि इससे भी जीडीपी में इजाफा होगा, परंतु इसकी एवज में चाहे परिवारों और समुदायों का नैसर्गिक रूप से साथ रहने की परंपरा टूट जाए। सरकारें, जिन्हें सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों वाली व्यवस्था बरकरार रखने पर ध्यान देना चाहिए, यहां उनकी भूमिका एक किसान की तरह होनी चाहिए यानी आजीविका कमाने में विविधता कायम रखने की जिम्मेवारी सहजवृत्ति निभाना। सरकारों के लिए बुजुर्ग आबादी की देखभाल करने के लिए स्रोत कम पड़ रहे हैं। वे बुजुर्ग, जो परिवारों से अलहदा हैं, उनके लिए वृद्ध-संभाल गृह होने चाहिए, क्योंकि अधिकांश इसका खर्च उठाने लायक नहीं हैं। महंगाई सूचकांक से जुड़ी अधिक पेंशन देने के लिए सरकारों को कंपनियों, कामकाजी वर्ग पर अधिक कर लगाने पड़ते हैं, जो कि वह देने को राजी नहीं। फिर सेवानिवृत्तों को पुनः नौकरी देने का विरोध भी युवा करते हैं क्योंकि उन्हें भी यथेष्ट वेतन वाली अच्छी नौकरी चाहिए। 'लचीली रोजगार व्यवस्था', जिसमें नियोक्ता किसी कर्मी को अपनी जरूरत और मुनाफे के हिसाब से रखता-हटाता है, इससे भी नौकरियां घटती जा रही हैं। महिलाएं, बुजुर्ग और सामाजिक देखभाल प्रदाता समाज का मूल्यवान स्रोत हैं। वे स्वास्थ्य और समाज की निरंतरता बनाए रखने वाली सेवाएं प्रदान करते हैं, जो कि आधुनिक अर्थव्यवस्था के मूल्यांकन खाके में फिट नहीं बैठती। देखभाल-सेवा में जो श्रम-समय लगता है उसका आर्थिक मूल्यांकन नहीं किया जाता।

जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व नेतृत्व से मनुष्यता-केंद्रित नव-व्यवस्था का खाका बनाने का अनुरोध किया था। लेकिन ढर्रे को बदलना आसान नहीं। उनकी इस अपील के बरअक्स भारत के नीति निर्माता जीडीपी वृद्धि को देश की तरक्की का पैमाना बनाकर मूल्यांकन करना जारी रखे हुए हैं। जहां एक ओर भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ रही मुख्य अर्थव्यवस्थाओं में एक है, वहीं जीडीपी वृद्धि की प्रति इकाई के पीछे नौकरियां पैदा करने की इसकी दर सबसे कम है। दुनिया के सबसे प्रदूषित नगरों की सूची में भारतीय शहर हैं, हमारा भूजल स्तर गिरता जा रहा है। जीडीपी दर को किसी मुल्क की आर्थिक सेहत का पैमाना मानने के मूल सिद्धांत में वैचारिक खोट यह है कि इसमें उन्हीं तत्वों को गिना जाता है जिसे अर्थशास्त्री अहम समझते हैं- यानी पैसे से मापी जा सकने वाली आर्थिक गतिविधियां और उत्पादन। जीडीपी गणना में उसका कोई मोल नहीं जिसका महत्व मनुष्यता के लिए है। किसी कॉर्पोरेट की कारगुजारी को मापते वक्त ध्यान निवेशकों को मिले मुनाफे पर केंद्रित रहता है। इसकी एवज में वृहद व्यापारिक माहौल और प्रकृति पर क्या असर रहा, यह नहीं गिना जाता। लेकिन सततापूर्ण पर्यावरण ध्येय की सूची में, आपस में गुंथे सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक समस्या के अलावा बुजुर्ग बनती जनसंख्या से पैदा चुनौतियां शामिल हैं और इनके आलोक में नव-आर्थिक एवं जन-नीतियों पर विचार करने की जरूरत है। तुर्रा यह कि पर्यावरण बदलाव में सुधार हेतु नए उपायों के लिए वित्तीय मदद की घोषणा करने का विचार उसी मिट्टी में रोपा जा रहा है, जो वित्तीय संस्थानों एवं कॉर्पोरेट हितों का पोषण करती है।

बदलाव का हल उच्चस्तरीय सम्मेलनों का आयोजन, केवल माहिरों को बुलाने से नहीं निकलने वाला। इसके लिए आम लोगों की राय, मसलन, किसान, देखभाल सेवा प्रदाता, श्रमिक और महिलाएं, जो भले आर्थिक माहिरों के पदानुक्रम में कहीं नहीं आते और जिन्हें स्थापित ढर्रे में फैसले लेते वक्त नज़रअंदाज किया जाता है, लेकिन ताकतवर लोगों को अपनी कुर्सियों से उतरना ही होगा और इनकी राय सुननी पड़ेगी।

लेखक योजना आयोग के पूर्व सदस्य हैं।

मोदी फिर बने जीत की गारंटी

(लेखक - सुरेश हिंदुस्थानी)

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम के बाद तस्वीर उभरी है, उससे एक बात फिर साबित हो गई है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वास्तव में जीत की गारंटी बन गए हैं। उत्तरभारत के तीन बड़े राज्यों के चुनाव प्रचार और अन्य प्रचार माध्यमों का अध्ययन किया जाए तो यह स्पष्ट परिलक्षित हो जाता है कि इन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने किसी भी प्रादेशिक नेता को मुख्यमंत्री के रूप में प्रचारित नहीं किया, केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को सामने रखकर ही भाजपा चुनावी मैदान में उतरी। आज पूरे देश में मोदी भाजपा के एक मात्र ऐसे चेहरे हैं, जिनसे मतदाताओं की सीधा जुड़ाव हो जाता है। वे अपनी सरकार के माध्यम से धरातल से जुड़ते हैं। इन चुनावों में सबसे बड़ा तथ्य यही है कि मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पास प्रचार करने वाले नेताओं की बेहद कमी थी। भले ही कांग्रेस इस बात का दावा करती दिखाई दी कि वह फिर से सरकार बना रही है, लेकिन परिणामों के बाद कांग्रेस के सभी दावे और दावों की हवा निकल गई। आज जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर जिस प्रकार से विश्वास जताया है, वह 2024 के लोकसभा चुनावों की राह को आसान करने वाला ही होगा। कांग्रेस ने इन चुनावों में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को एक नायक की तरह फिर से स्थापित करने का प्रयास किया, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी उनके यह प्रयास सकारात्मक परिणाम नहीं दे सके। कांग्रेस का यह प्रयास शायद इसलिए भी था, क्योंकि कांग्रेस राहुल गांधी को लोकसभा के चुनावों में प्रधानमंत्री के पद के लिए प्रस्तुत करने का सपना देख रही थी। इसी के साथ विपक्षी दलों के गठबंधन में कांग्रेस के नेता प्रमुख दल की हैसियत बनाना चाहती थी। चुनावों के बाद कांग्रेस की पराजय ने एक बार फिर से गठबंधन के बीच दरार पैदा होने की स्थितियां निर्मित कर दी हैं। इसके पीछे का एक मात्र कारण यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस के नेता आज भी अपनी गलतियों पर चिंतन नहीं कर रहे हैं, जबकि सत्य यही है कि पिछले दस सालों में कांग्रेस ने कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं की। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की विजय और कांग्रेस की पराजय के कई निहितार्थ भी हैं। जिसमें सबसे पहले तो यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस सनातन के विरोधियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी दिखाई दी। वर्तमान में जब भारत में देश भाव की प्रधानता विस्तारित होती जा रही है, तब स्वाभाविक रूप से यह भी कहा जा सकता है कि अब देश के विरोध को जनता किसी भी रूप में स्वीकार करने वाली नहीं है। यह सही है कि जो सनातन को मिटाने का प्रयास करेगा, वह निश्चित ही आत्मघाती कदम कहा जाएगा। यहां विचारणीय तथ्य यह भी है कि जो भारत को मजबूत बनाने की राजनीति करेगा, उसे सनातन से जुड़ना ही होगा। जो मोहब्बत की भाषा बोलकर चुनाव लड़ेगा, उसे हिंदुत्व से तालमेल रखना ही होगा। सनातन का विरोध करने वाली राजनीति के आधार पर देश भाव का प्रकटीकरण नहीं हो सकता। आज कांग्रेस की राजनीति का मुख्य सूत्र फूट डालो और राज करो जैसा ही लगने लगा है। कांग्रेस को चाहिए कि वह भारत की राजनीति करने का प्रयास करे, वामपंथ विचार की राजनीति नहीं। यहां वामपंथ की चर्चा इसलिए भी जरूरी है कि चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के एक बड़े नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने यह खुलकर स्वीकार किया कि वर्तमान में कांग्रेस के अंदर वामपंथ के विचार को धारण करने वाले नेता घुस आए हैं, जब तक इन नेताओं को बाहर नहीं किया जाएगा, तब तक कांग्रेस का भला नहीं होगा। इसके साथ ही वे कहते हैं कि यह कांग्रेस की हार नहीं, बल्कि वामपंथ की हार है। यह बात सही है कि आज वामपंथ देश से पूरी तरह से समाप्त हो गया है, लेकिन कांग्रेस उसे संजीवनी देती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस अगर अपने स्वयं के सिद्धांतों पर राजनीति करे, तो वह अपने खोई विरासत को बचाए रख सकती है, लेकिन ऐसा लगता नहीं है। क्योंकि आज कांग्रेस अपनी भूल का प्रायश्चित करना ही नहीं चाहती।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम को हालांकि भाजपा की अप्रत्याशित विजय के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, लेकिन तेलंगाना में कांग्रेस ने बहुमत की सरकार बनाई है। हालांकि यह विजय प्रादेशिक नेताओं के राजनीतिक प्रभाव का परिणाम है। इसे केंद्रीय नेतृत्व की सफलता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। क्योंकि केंद्रीय नेतृत्व की जनमानस में स्वीकार्यता होती तो मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इसका असर दिखाई देता। खैर अब कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए कि वह इस तरह से अपना जनाधार क्यों खो रही है। इसके पीछे का एक मात्र कारण यह भी माना जा सकता है कि आज उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भले ही कांग्रेस के सर्वेसर्वा हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता उन्हें इस रूप में आज भी स्वीकार करने की मानसिकता नहीं बना सके हैं। कांग्रेस की पराजय का एक कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस उन राजनीतिक दलों का सहारा लेने में भी संकोच नहीं कर रही, जो गाहे बगाहे सनातन को कठघरे में खड़ा करने का कुत्सित प्रयास करते हैं। आज देश का दृश्य परिवर्तित हुआ है। मानसिकता में भी व्यापक परिवर्तन हुआ है। इसलिए राजनीति में जो सच है, वही कहना चाहिए। कांग्रेस को झूठ की राजनीति के सहारे नहीं चलना चाहिए। राहुल गांधी का झूठ कई बार प्रमाणित हो चुका है और कई बार माफी मांग चुके हैं। आज देश की राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह स्वीकार करना ही चाहिए कि नरेंद्र मोदी एक ऐसे प्रभावशाली नेता बन चुके हैं जिनको देश सुनता है। ऐसे में कांग्रेस को चाहिए कि वह अपनी राजनीति में केवल अपनी ही बात करे, जितनी मोदी की आलोचना होगी, मोदी का कद और बड़ा होता जाएगा। यह राजनीति की वास्तविकता है कि मोदी का प्रचार जितना भाजपा ने नहीं किया, उससे ज्यादा विपक्षी दलों ने कर दिया। कांग्रेस इसलिए भी कमजोर हो रही है कि उसके नेता आज भी यह मानने को तैयार नहीं हैं कि वह केंद्र की सत्ता से बाहर हो चुके हैं। कांग्रेस के नेताओं की भाषा में एक अहम झलकता है। मध्यप्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस की पराजय का कारण भी दंभ की राजनीति है। इसलिए अब कांग्रेस के नेताओं को इस बात पर विचार करना चाहिए कि उसका खोया हुआ वैभव कैसे वापस लाया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं हो सका तो स्वाभाविक मोदी देश की एक बड़ी गारंटी बने रहेंगे।

(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार मंथन

केन्या में गरीबों को नगदी देने के बेहतर नतीजे

(लेखक- सनत कुमार जैन)

इन दोनों मुफ्त की रेवड़ी को लेकर देश में बड़ी बहस हो रही है। यदि लोगों को मुफ्त में पैसा देंगे, तो क्या होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, गरीबों के हाथ में धन राशि उपलब्ध कराने की बात, पिछले कई वर्षों से कर रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह मानकर चल रहे हैं, कि मुफ्त की रेवड़ी से सरकारी खजाने पर भार बढ़ रहा है। सभी राज्य सरकारें कर्ज में हैं। ऐसी स्थिति में सब्सिडी वाली योजनाएं या मुफ्त की योजनाएं शुरू नहीं की जानी चाहिए। इस संबंध में अमेरिका की चैरिटी संस्थान एवं नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बैनर्जी एवं अन्य शोधकर्ताओं ने अफ्रीका के गरीब देश केन्या में एक सर्वे किया है। केन्या की सरकार पश्चिम केन्या के हजारों ग्रामीणों को 1875 रुपए प्रतिमाह नगद राशि का भुगतान कर रही है। 2 वर्ष के नतीजे 1 दिसंबर को जारी किए गए हैं। जिन लोगों को नगद राशि मिल रही है। उनकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हुई है। यूनिवर्सल बेसिक इनकम के तहत हर किसी को बिना शर्त मदद दी जा रही है। जिसका आय और रोजगार से कोई संबंध नहीं होता है। फिनलैंड से लेकर कैलिफोर्निया तक एक वर्ग विशेष को कुछ समय तक नगद राशि दी गई है। शोध संस्थान ने केन्या में इसका परीक्षण विस्तृत रूप में किया है।यहां गांव के हर वयस्क को 12 वर्ष तक निश्चित राशि दी जाएगी। प्रयोग के तौर पर 195 गांव में 22000 से अधिक व्यक्तियों को यह पैसा दिया गया है। वहीं 11000 लोगों के समूह को कुछ भी नहीं दिया गया। जिन लोगों को पैसा दिया गया। उन्होंने खेतों में मजदूरी छोड़कर दुकान खोली। कृषि की मजदूरी से हटकर दूसरे व्यवसाय की तरफ अग्रसर हुए। उनकी आय और मुनाफा दोगुना हो गया। पैसा जिन्हें दिया गया था। उनका स्वास्थ्य भी पहले से अच्छा हुआ उन्होंने अच्छी प्रोटीन वाला खाना खाया। मानसिक परेशानियां बहुत कम रहीं। जमीन की महंगी हो गई। गरीबों की क्रय शक्ति बढ़ गई। शोधकर्ताओं के अनुसार जो नगद राशि उन्हें दी गई। उससे उन लोगों को खर्च करने के लिए पैसा मिला।स्थानीय स्तर पर कारोबार बढ़ा। गरीब को जो पैसा दिया जाता है, वह बचाने के स्थान पर खर्च करता है। जो अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाता है। अमेरिका की चैरिटी संस्था ने केन्या में जो स्टडी की है। उसके बाद कैलिफोर्निया के अधिकारियों में दिलचस्पी जाग गई है। अमेरिका में फिनलैंड, मिशिगन में लोगों को मुफ्त पैसा देने का कार्यक्रम शुरू हुआ है। यहां पर गर्भवती महिलाओं को 1.25 लाख रुपये दिए जा रहे हैं। यहां पर बच्चों को पहले साल में हर माह 4000 रुपये दिए जाएंगे। गरीबों को नगदी पैसा मिलता है, तो वह उसे खर्च करते हैं। इससे आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत सुधार देखा गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बैनर्जी एवं अन्य शोधकर्ताओं ने 2 वर्ष लगातार शोध करके 1 दिसंबर को रिपोर्ट जारी की है। भारत के संदर्भ में यदि हम इस बात को देखें,तो गरीब के हाथ में जो पैसा आता है। वह उसको खर्च कर देता है। जिसके कारण आर्थिक प्रगति बड़ी तेज गति से होती है। सभी वर्गों तक वह पैसा पहुंचने लगता है। वहीं मध्यमवर्गीय परिवार कुछ पैसा खर्च करता है, और कुछ बचा लेता है। मध्यमवर्गी परिवारों का खर्च सीमित होता है। उनकी आय, खर्च की तुलना में बचत ज्यादा होती है। वही बड़े-बड़े व्यापारिक संस्थान, कॉरपोरेट,सरकारी अधिकारियों और राजनेताओं के पास जो पैसा जाता है। वह अधिकांशतः ब्लॉक हो जाता है।उनका पैसा ऐसी जगह पर निवेश होता है।जिससे कोई रिटर्न नहीं मिलता है। अर्थव्यवस्था के रोटेशन में यह सबसे बड़ी रुकावट है। जो अर्थव्यवस्था को नकारात्मक दिशा की ओर ले जाता है। भारत में यदि पैसा गरीबों के हाथ जाएगा, तो निश्चित रूप से वह अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। मनरेगा की मजदूरी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।जिसने ग्रामीण अंचलों की अर्थव्यवस्था को 2004 के बाद बहुत बेहतर बनाया। सामाजिक संरचना में गरीबों के पास जो भी पैसा जाता है। उसको वह खर्च करते हैं। उससे छोटे-मोटे कारोबार शुरू करते हैं।अपने स्तर को सुधारने की दिशा में प्रयास करते हैं। जिसके कारण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलती है। संपन्नता बढ़ती है। मुफ्त की रेवड़ी यदि सकारात्मक रूप से दी जा रही है। इससे अर्थव्यवस्था तेजी के साथ बढ़ती है। सरकार का टैक्स बढ़ता है। समाज के सभी वर्गों तक पैसा पहुंचने लगता है। बहुत कम समय में बहुत ज्यादा बार पैसा रोटेट होता है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। सामाजिक संपन्नता बढ़ती है। इस तथ्य को भी हमें ध्यान में रखना होगा। सर्कुलेशन में जो मनी रहेगी। वह अच्छे परिणाम देकर जाएगी। जो मनी ब्लॉक हो जाएगी। उससे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होगा। यह समझने की जरूरत है।

हुंडई, किआ का संयुक्त निर्यात 2023 में 2 मिलियन के करीब

सोल।

दक्षिण कोरिया की शीर्ष कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर और उसकी सहयोगी कंपनी किआ 2023 में 2 मिलियन यूनिट का संयुक्त निर्यात करने के लिए तैयार हैं, जैसा कि रविवार को महामारी के बाद बाजार में सुधार के आंकड़ों से पता चला है। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट ने कोरिया ऑटोमोबाइल एंड मोबिलिटी एसोसिएशन के हवाले से कहा, हुंडई और किआ ने जनवरी-अक्टूबर की अवधि में ऑटोमोबाइल की 945,062 और 867,136 संबंधित यूनिट्स भेजीं। आंकड़ों से पता चलता है कि संयुक्त आंकड़ा 2022 में इसी अवधि से 17.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। दोनों कार निर्माताओं द्वारा 180,000 यूनिट्स की मंथली शिपमेंट को ध्यान में रखते हुए, इंडस्ट्री के अधिकारियों का अनुमान है कि 2016 के बाद पहली बार 2023 में उनकी विदेशी बिक्री 2 मिलियन यूनिट से ज्यादा होगी। हुंडई मोटर ग्रुप के एक अधिकारी ने कहा, दुनिया भर में पर्यावरण-अनुकूल कारों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए समूह द्वारा घरेलू उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने के बाद यह वृद्धि हुई है। आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-अक्टूबर की अवधि में निर्यात का संयुक्त मूल्य भी 43.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल के 41.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के संयुक्त शिपमेंट को पहले ही पीछे छोड़ चुका है। बेची गई कारों की औसत कीमत 24,000 डॉलर हो गई, जो 2016 में 14,000 डॉलर से 68 प्रतिशत अधिक है।

ऑनलाइन रिटेलर जुलीली कर रही सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को। अमेजन की प्रतिस्पर्धी और ऑनलाइन रिटेलर जुलीली, जिसकी कीमत कभी 7 बिलियन डॉलर थी, सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी कर रही है। कंपनी अमेरिका में परिचालन बंद कर रही है।सिएटल टाइम्स की रिपोर्ट ने राज्य रोजगार सुरक्षा विभाग की एक अधिसूचना के हवाले से बताया, जुलीली 7 फरवरी से सिएटल और वाशिंगटन में अन्य जगहों पर 292 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। गीकवायर के अनुसार, 13 साल पुरानी कंपनी अपने पायनियर स्क्वायर मुख्यालय और अन्य राज्यों में कई अन्य सुविधाओं को भी बंद कर रही है। दोनों राज्यों के नोटिस के अनुसार, नेवादा और ओहायो में गोदामों को बंद करने से 547 अन्य लोगों की छंटनी होगी। लेटेस्ट नौकरी में कटौती जूलीली में छंटनी के पहले कई दौरों के साथ-साथ अक्टूबर में इसके सीईओ टेरी बॉयल के इस्तीफे के बाद हुई है। जुलीली को 2010 में ऑनलाइन ज्वैलरी रिटेलर ब्लू नाइल के पूर्व अधिकारियों मार्क वाडन और डेरेल कैवेन्स द्वारा लॉन्च किया गया था। 2013 में, जुलीली के पास 12.6 मिलियन एक्टिव कस्टमर्स थे और उन्होंने 331 मिलियन डॉलर का राजस्व कमाया, जो 2010 से लगभग 700 प्रतिशत अधिक था। जुलीली 2013 में एक आईपीओ में पब्लिक हुई, जिसका मूल्य मूल रूप से 2.6 बिलियन डॉलर था, यह आंकड़ा लगभग दोगुना हो गया। 2014 तक, 1 बिलियन डॉलर की वार्षिक बिक्री पर जुलीली का बाज़ार मूल्य 7 बिलियन डॉलर था। रिपोर्टों के अनुसार, केवल अमेजन और ओल्ड नेवी ने कम समय में अरबों डॉलर के राजस्व का आंकड़ा छुआ। 2015 में, जुलीली को लिबर्टी इंटरएक्टिव-क्यूवीसी द्वारा खरीदा गया था, जिसे बाद में 2.4 बिलियन डॉलर में क्यूरेट नाम दिया गया था। इस साल मई में, कुरेट ने कंपनी को लॉस एंजिल्स की निजी इक्विटी फर्म रीजेंट को बेच दिया।

ग्राहकों को नई ब्रेजा फेसलिफ्ट आ रही खूब पसंद

- अंदर और बाहर डिजाइन में बड़ा बदलाव किया

नई दिल्ली।

कई खूबियों से भरपूर ब्रेजा फेसलिफ्ट लोगों को खूब पसंद आ रही है। पिछले साल लॉन्च हुई इस कार के अंदर और बाहर डिजाइन में बड़ा बदलाव किया है। इस कार में अब कई नए फीचर्स भी जोड़ दिए गए हैं। नई ब्रेजा को कुछ ऐसे फर्स्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स के साथ लाया गया था जो पहले केवल महंगी गाड़ियों में मिलते थे। ब्रेजा अपने सेगमेंट की पहली एसयूवी थी जिसे हेड्स अप डिस्प्ले और पैडल शिफ्टर्स के साथ पेश किया गया था। इसके अलावा, ब्रेजा में मिलने वाले इलेक्ट्रिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा, स्मार्टप्ले प्रो प्लस सराउंड साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स के वजह से यह कार भीड़ से अलग खड़ी होती है।

ब्रेजा को 1.5-लीटर के-सीरीज पेट्रोल इंजन से पॉवर मिलती है। यह इंजन 103 बीएचपी की पॉवर और 137 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है। कंपनी इसे मैनुअल ट्रांसमिशन में सीएनजी विकल्प के साथ भी पेश करती है। माइलेज के मामले में भी ब्रेजा आपको कहीं से भी निराश नहीं करेगी। इसके ऑटोमैटिक वैरिएंट का माइलेज 19.8 किलोमीटर प्रति लीटर है, वहीं सीएनजी में यह 25.51 किलोमीटर प्रति किलो की सर्टिफाइड माइलेज देती है। सेफ्टी के मामले में भी मारुति ने नई ब्रेजा में काफी सुधार किया है। इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), हिल-होल्ड असिस्ट, सभी यात्रियों के लिए सीट बेल्ट रिमाइंडर, ईबीडी के साथ एबीएस और रियर पार्किंग सेंसर जैसे फीचर्स शामिल हैं। फीचर्स के लिहाज से देखें तो मारुति ब्रेजा अपने सेगमेंट में की सबसे नए फीचर्स से लैस है। इसमें में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले के साथ 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, चार-स्पीकर साउंड सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस फोन चार्जर, सिंगल-पेन सनरूफ और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स मिलते हैं। यह अपने सेगमेंट की पहली एसयूवी थी जिसे पैडल शिफ्टर्स (एटी वेरिएंट) और हेड-अप डिस्प्ले जैसे एडवांस फीचर्स के साथ पेश किया गया था।

स्टार्टअप फंडिंग: निराशाजनक 2023 के बाद भारत वैश्विक रैंकिंग में चौथे स्थान पर खिसका

नई दिल्ली।

भारत की स्टार्टअप विकास की कहानी में सेंध लगाते हुए, देश 2023 में सबसे अधिक वित्त पोषित भौगोलिक क्षेत्रों में वैश्विक रैंकिंग में चौथे स्थान पर फिसल गया, क्योंकि यहां पांच वर्षों में सबसे कम फंडिंग दर्ज की गई। वैश्विक बाजार खुफिया मंच ट्रैक्सन द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 2021 के साथ-साथ 2022 में वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान हासिल करने के बाद, भारत इस साल अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के बाद चौथे स्थान पर रहा, जिसे कुल फंडिंग (5 दिसंबर तक) में केवल 7 बिलियन डॉलर प्राप्त हुए। इस वर्ष की तीसरी तिमाही में, भारत सबसे अधिक वित्त पोषित देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गया। तीसरी तीमाही 2023 ने कुल 1.5 बिलियन डॉलर जुटाए, जो कि दूसरी तीमाही 2023 से 30 प्रतिशत कम है और 2022 की तीसरी तीमाही की तुलना में 54 प्रतिशत कम है। इस वर्ष की अंतिम तिमाही में अब तक की सबसे कम 957 मिलियन डॉलर की फंडिंग दर्ज की गई, जो कि 2016 की तीसरी तिमाही के बाद से सबसे कम फंडिंग वाली तिमाही है। रिपोर्ट से पता चला,÷भारत में फंडिंग विंटर के प्रभावों का अनुभव जारी है। 2022 की चौथी तिमाही में फंडिंग में वृद्धि के बाद, इंडिया टेक की फंडिंग में हर तिमाही में गिरावट देखी जा रही है, 2023 की तीसरी तिमाही में फंडिंग में लगातार तीसरी गिरावट के साथ यह 2023 में सबसे कम फंड वाली तिमाही बन गई है और पिछले 5 वर्षों में सबसे कम वित्त पोषित तिमाही भी। फंडिंग प्रवाह में गिरावट के बावजूद, भारत ने इस साल कुल फंडिंग के मामले में शीर्ष 5 भौगोलिक क्षेत्रों में अपना स्थान बरकरार रखा है। 2023 के लिए, सभी चरणों में फंडिंग में गिरावट आई, अंतिम चरण की फंडिंग में 73 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, इसके बाद शुरुआती चरण की फंडिंग (70 प्रतिशत) और सीड-स्टेज फंडिंग (60 प्रतिशत) आई।

फेड रिजर्व के फैसले और महंगाई आंकड़े से तय होगी बाजार की चाल

कच्चे तेल की कीमत और एफआईआई के निवेश प्रवाह का भी बाजार पर असर रहेगा

मुंबई।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल नीतिगत दरों पर फेड रिजर्व के निर्णय और स्थानीय स्तर पर जारी होने वाले महंगाई आंकड़े तय करेंगे। बीते सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चालू वित्त वर्ष के आर्थिक विकास अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत करने के साथ ही महंगाई पर लगाम लगाए रखने के लिए नीतिगत दरों को एक बार फिर से यथावत रखने के निर्णय का भी बाजार पर सकारात्मक असर रहा। इससे बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 2344.41 अंक उछलकर सप्ताहांत पर सार्वकालिक उच्चतम स्तर 69825.60 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 701.5 अंक की तेजी के साथ 20969.40 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपेन मार्केट कमेटी की नीतिगत दरों पर 12-13 दिसंबर को बैठक होने वाली है। बैठक के निर्णयों पर निवेशकों की नजर रहेगी। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह का भी बाजार पर असर रहेगा। एफआईआई ने इस वर्ष पिछले लगातार तीन महीने अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में जबरदस्त बिकवाली के बाद नवंबर में 5,795.05 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की है। साथ ही दिसंबर में अब तक बाजार में उनका शुद्ध निवेश 10,874.72 करोड़ रुपये का रहा है।

इसके अलावा स्थानीय स्तर पर अगले सप्ताह मंगलवार को नवंबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई और गुरुवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। बाजार को दिशा देने में इन कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बीते सप्ताह गुरुवार की गिरावट को छोड़कर चार दिन बाजार ने नये रिकॉर्ड बनाए।

भारत में हर साल 50 मिलियन से अधिक आईफोन बनाने को तैयार है एप्पल

नई दिल्ली।

भारत में एप्पल का लक्ष्य प्रति वर्ष 50 मिलियन से अधिक आईफोन निर्माण करने का है। उसका फोकस कुछ प्रोडक्शन चीन से बाहर शिफ्ट करना है। एक रिपोर्ट के अनुसार टेक दिग्गज का लक्ष्य अगले दो से तीन वर्षों के भीतर लक्ष्य हासिल करना है, जिसके बाद अतिरिक्त दसियों लाख इकाइयों की योजना बनाई जाएगी। अगर एप्पल इस लक्ष्य को हासिल कर लेता है तो विश्व में आईफोन उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी एक चौथाई हो जाएगी। जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन अभी भी सबसे बड़ा आईफोन निर्माता बना रहेगा। एप्पल अपना प्रोडक्शन चीन से बाहर शिफ्ट करने की योजना बना रहा है। इसका मुख्य आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन भारत में और अधिक कारखाने बनाने की योजना बना रहा है, क्योंकि टाटा समूह अब भारत के सबसे बड़े आईफोन असेंबली प्लांटों में से एक का निर्माण करने के लिए तैयार है। सरकर द्वारा जारी उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-अगस्त की अवधि में भारत में 5।5 बिलियन डॉलर (45,000 करोड़ रुपये से अधिक) का मोबाइल फोन निर्यात हुआ। जबकि वाणिज्य विभाग और इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के अनुमान के अनुसार, अप्रैल-अगस्त की अवधि में 5।5 अरब डॉलर का मोबाइल फोन निर्यात हुआ, जबकि वित्त वर्ष 22-23 की समान अवधि में यह 3 अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) था।

एक अन्य रिपोर्ट में अप्रैल-अगस्त की अवधि में भारत निर्मित फोन निर्यात में एप्पल सबसे आगे रहा और पहली बार कुल अनुमानित आंकड़े के 50 प्रतिशत से अधिक को पार कर गए। इसके बाद सैमसंग रहा। सूत्रों ने बताया कि जून तिमाही में, एप्पल ने सैमसंग के 45 प्रतिशत निर्यात की तुलना में देश के कुल 12 मिलियन स्मार्टफोन शिपमेंट में से लगभग 50 प्रतिशत का निर्यात किया। भारत चालू वित्त वर्ष में मोबाइल फोन निर्यात में 1,20,000 करोड़ रुपये को पार करने के लिए तैयार है।

अहमदाबाद-अहमद नगर में सस्ता हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई ज्यादा असर नहीं पड़ा है। हालांकि, कुछ राज्यों व शहरों में ईंधन की कीमतें मामूली रूप से उतार-चढ़ाव आया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने रे विवार को पेट्रोल और डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। देश के 4 महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल-डीजल के दाम में कल की तरह स्थिर बने हुए हैं और इनमें कोई बदलाव नहीं आया है। अहमदनगर 92.49 रुपये प्रति लीटर और अहमदाबाद 92.17 रुपये प्रति लीटर में पेट्रोल की कीमतें घटी हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर, गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपये और डीजल 89.81 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर है।

कोका कोला अहमदाबाद में लगाएगी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट

- साणंद में प्लांट स्थापित करने 3000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली।

अमेरिकी बेवरेज मैन्युफैक्चरर, कोका-कोला कंपनी (टीसीसीसी) अहमदाबाद से 32 किमी दूर साणंद में एक बेवरेज और कंसन्ट्रेट प्लांट स्थापित करने के लिए 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कोका-कोला अपनी एक सहायक कंपनी इंटरनेशनल रिफ्रेशमेंट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करेगी।` रिपोर्ट के मुतो बिक गुजरात सरकार में अपने सूत्रों के हवाले से कहा कि भूमि का एक टुकड़ा (एसएम-52) जिसका आकार 1,60,000 वर्ग मीटर है, कंपनी द्वारा साणंद औद्योगिक एस्टेट-2 में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के लिए अधिग्रहित किया गया है। रिपोर्ट में राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा गया है` कि कोका-कोला ने पहले ही गुजरात में अपने बॉटलिंग पार्टनर्स के माध्यम से दो बड़े निवेश किए हैं। सरकार ने मंजूरी की प्रक्रिया को तेज कर दिया है और पहले ही कंपनी को भूमि आवंटन कर दिया है। कोका-कोला कंपनी के पास साणंद के अलावा अपने बॉटलिंग पार्टनर हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज लिमिटेड के माध्यम से गोबलेज में पहले से ही एक प्लांट है, जो अहमदाबाद से लगभग 33 किमी दूर है। टीओसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों प्लांट कुल 18 करोड़ डॉलर के निवेश पर स्थापित किए गए थे।

अखबार ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि साणंद में स्थापित होने वाला प्लांट रोबोटिक टेक्नॉलजी के माध्यम से पूरी तरह से ऑटेमेटिक होगा। प्लांट में आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया जाएगा, जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करेगी। अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि साणंद में स्थापित होने वाला आगामी प्लांट रोबोटिक तकनीक से पूरी तरह ऑटोमेटिक होगा। प्लांट में ऐसे उपकरणों का उपयोग किया जाएगा जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स (ढ्ढशञ्ज) और मशीन लर्निंग जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठाते हैं। इससे मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस की रियल टाइम पर निगरानी और नियंत्रण हो सकेगा। प्लांट ऑटोमेटिक स्टोरेज और पुनर्प्राप्ति सिस्टम से भी लैस होगा।

ओपनएआई के साथ माइक्रोसॉफ्ट की साझेदारी पर समीक्षा कर रहा यूके नियामक

लंदन।

ब्रिटेन का प्रतिस्पर्धा नियामक हाल के घटनाक्रमों सहित चैटजीपीटी के डेवलपर माइक्रोसॉफ्ट और ओपनएआई के बीच साझेदारी पर गौर करेगा, ताकि यह समझा जा सके कि विलय का यूके में प्रतिस्पर्धा पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण (सीएमए) इस बात की जांच कर रहा है कि क्या ओपनएआई के साथ माइक्रोसॉफ्ट का जुड़ाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मार्केट को प्रभावित कर सकता है। मार्केट वॉचडॉग ने एक बयान में कहा, इनविटेशन टू कमेंट (आईटीसी) सीएमए की सूचना एकत्र करने की प्रक्रिया का पहला पार्ट है और फॉर्मल फेज 1 इन्वेस्टिगेशन के किसी भी लॉन्च से पहले आता है।

हाल ही में ओपनएआई के प्रशासन में कई डेवलपमेंट्स हुए हैं, जिनमें से कुछ में माइक्रोसॉफ्ट भी शामिल है। सीएमए अब यह निर्धारित करने के लिए आईटीसी जारी कर रहा है कि क्या हाल के डेवलपमेंट्स सहित माइक्रोसॉफ्ट/ओपनएआई पार्टनरशिप के चलते प्रासंगिक विलय की स्थिति पैदा हुई है, यदि हां, तो प्रतिस्पर्धा पर संभावित प्रभाव पड़ेगा। पिछले महीने, ओपनएआई बोर्ड ने एक नाटकीय कदम में सीईओ सैम ऑल्टमैन को बर्खास्त कर दिया था, बाद में, माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष और सीईओ सत्या नडेला ने उन्हें एडवांस एआई रिसर्च का नेतृत्व करने के लिए नौकरी की पेशकश की। अंत में, ओपनएआई ने पूरी तरह से नए बोर्ड के साथ ऑल्टमैन को शीर्ष पर बहाल कर दिया, इस तरह यह इंटेंस ड्रामा समाप्त हो गया।

इस बात पर अटकलें हैं कि ऑल्टमैन को क्यों हटाया गया, लेकिन कुछ भी ठोस सामने नहीं आया है। नया बोर्ड इसकी समीक्षा कर रहा है सीएमए के अनुसार, जिस स्पीड से एआई उपयोग बढ़ रहा है वह आर्थिक इतिहास में बेजोड़ है, जबकि पावरफुल फाउंडेशन मॉडल (एफएम) में प्रगति का मतलब है कि यह इस ट्रांसफॉर्मेटिव टेक्नोलॉजी के डेवलपमेंट में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

निवेशकों की नजर भारत, अमेरिका के मुद्रास्फीति आंकड़ों पर

नई दिल्ली।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि आगामी सप्ताह में, निवेशकों की नजर भारत और अमेरिका के मुद्रास्फीति डेटा पर रहेगी।भारतीय में महंगाई दर बढ़ने की संभावना है, जबकि अमेरिकी मुद्रास्फीति स्थिर रहेगी। भारतीय औद्योगिक और विनिर्माण उत्पादन में भी विस्तार की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने कहा कि फेड नीति बैठक के नतीजे बाजार की भावनाओं को आकार देने में अहम भूमिका निभाएंगे। मजबूत घरेलू जीडीपी विकास दर में बढ़ोतरी के कारण भारतीय बाजार ने सर्वकालिक उच्चतम स्तर हासिल किया। आरबीआई द्वारा दरों को यथास्थिति बनाए रखने के बावजूद, वित्त वर्ष 2024 के लिए जीडीपी विकास पूर्वानुमान (6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत) ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया। उन्होंने कहा कि एसडीएफ और एमडीएफ सुविधाओं को वापस लेने सहित तरलता की कमी को दूर करने के उपायों ने वित्तीय स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, जिससे सप्ताह के दौरान निफ्टी बैंक में 5 प्रतिशत की बढ़त हुई। मूल्यांकन ठीक होने, त्योहार के सीजन में मांग बढ़ने और आवासीय बिक्री में मजबूत वृद्धि के कारण आईटी, उपभोक्ता, ऑटो और रियल्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ आर्थिक परिदृश्य, मजबूत दूसरी तिमाही की आय और तेल की कीमतों में सुधार के कारण मिड और स्मॉल-कैप ने बेहतर प्रदर्शन जारी रखा है। कोटक सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (तकनीकी अनुसंधान) अमोल अठावले ने कहा कि पिछले सप्ताह बेंचमार्क सूचकांकों में शानदार तेजी देखी गई। निफ्टी 3.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 2,340 अंक से अधिक चढ़ा। लगभग सभी प्रमुख सेक्टोरल सूचकांकों ने सकारात्मक गति दर्ज की, लेकिन ऊर्जा सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए लगभग 8 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। सप्ताह के दौरान, निफ्टी/सेंसेक्स ने 20,200/68,000 के महत्वपूर्ण प्रतिरोध को सफलतापूर्वक पार कर लिया और ब्रेकआउट के बाद इसकी गति तेज हो गई।

निवेशकों के लिए कुछ पीएसयू व निजी बैंकों पर भरोसे का समय

नई दिल्ली।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में विदेशी और सहकारी बैंकों के अलावा 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक शामिल हैं। पिछले एक साल से अब तक बैंकिंग इंडेक्स ने 9.29 फीसदी का रिटर्न दिया है। दिवाला और दिवालियापन संहिता लागू होने के बाद, भारतीय बैंकिंग प्रणाली की अधिकांश गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का समाधान हो गया है, या तो इसका भुगतान कर दिया गया है या राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) मार्ग के माध्यम से लिया गया है। यदि हम अधिकांश सार्वजनिक क्षेत्र और निजी बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों पर नजर डालें तो सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में भारी कमी आई है। भारतीय बैंकों ने वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के दौरान अच्छी कमाई की, लेकिन प्रदर्शन में धीमी गति देखी गई।ऋणदाताओं ने क्रेडिट लागत में कमी के कारण साल-दर-साल 33 प्रतिशत की शुद्ध लाभ वृद्धि दर्ज की। जबकि वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तीमाही के दौरान बैंकों के लिए ऋण वृद्धि लगभग 15 प्रतिशत योय पर आरामदायक थी, जमा और बैंक ऋण की लागत के पुनः मूल्य निर्धारण के कारण अधिकांश के लिए शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में गिरावट आई। सार्वजनिक और निजी बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में क्रमिक रूप से सुधार हुआ। वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तीमाही में 12 भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का संयुक्त लाभ 31 प्रतिशत बढ़कर 33,643 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 25,684 करोड़ रुपये था। बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात वित्ते तीय वर्ष 23 की दूसरी तीमाही में 9.67 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तीमाही में 4.62 प्रतिशत हो गया, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तीमाही में 1.64 प्रतिशत हो गया, जो वित्तीय वर्ष 23 की दूसरी तीमाही में 2.95 प्रतिशत था। हमारा मानना है कि गैर-निष्पादित परिसंपत्ति चक्र में कमी आने के साथ, हम अच्छी ऋण वृद्धि देख रहे हैं और मजबूत सरकारी नीति के साथ, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आकर्षक दिख रहे हैं और इन स्तरों से भी अच्छी खरीदारी होनी चाहिए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभमन गिल को मिला विराट कोहली के रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुभमन गिल साल 2023 में सबसे अधिक शतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। शुभमन गिल 2023 में तीनों फॉर्मेट को मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर हैं। लेकिन शतक के मामले में वे विराट कोहली से पीछे हैं। हालांकि शुभमन गिल और विराट कोहली दोनों के लिए ही साल 2023 बेहतरीन रहा है। विराट कोहली ने इस साल कुल 8 शतक लगाए हैं, जो दुनिया के किसी भी बैटर से ज्यादा हैं। ज्यादा शतक लगाने की इस फेहरिस्त में शुभमन गिल (7) दूसरे नंबर पर हैं। विराट और शुभमन गिल के बीच सिर्फ एक शतक का फासला है। अगर शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 टी20 मैच या 3 वनडे मैच की सीरीज में एक शतक भी लगाते हैं तो वे विराट कोहली की बराबरी कर लेंगे। अगर शुभमन इन 6 मैचों में 2 शतक लगा दे तो विराट को पीछे छोड़ देंगे। फैंस जानते हैं कि विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 या वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे। कोहली सीधे टेस्ट सीरीज में जुड़ेंगे, जहां शुभमन भी उनके साथ होंगे।

अब पूरी संभावना बन रही है कि शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर विराट के मुकाबले 6 मैच ज्यादा खेलेंगे। साल 2023 में ज्यादा शतक लगाने की लिस्ट विराट कोहली और शुभमन गिल के बाद डेरिल मिचेल तीसरे नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने इस साल तीनों फॉर्मेट को मिलाकर 6 शतक लगाए हैं। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो और न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे 5-5 शतक लगाकर संयुक्त रूप से चौथे नंबर पर हैं। एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 1998 में 12 शतक लगाए थे।

फ्रेंचाइजी क्रिकेट जैसा ही खेलें: सूर्यकुमार यादव

डरबन (एजेंसी)। टी-20 टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि मैंने खिलाड़ियों से कहा कि वे वैसा ही क्रिकेट खेलें जैसा वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते हैं। सूर्यकुमार ने रविवार को स्वीकार किया कि विश्व कप फाइनल में मिली निराशाजनक हार को भुलाना काफी मुश्किल है। भारतीय कप्तान ने हाल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला में मिली जीत को दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले टीम के लिए मनोबल बढ़ाने वाली करार दिया। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होने से पहले घरेलू मैदान पर पांच मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया को 4-1 से शिकस्त दी। गौरतलब है कि सूर्यकुमार चोटिल हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में टीम की अगुआई कर रहे हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 की पूर्व संध्या पर कहा कि विश्व कप की हार निराशाजनक थी और इसे भुला पाना काफी मुश्किल है। लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में मिली जीत, मनोबल बढ़ाने वाली थी, हालांकि यह अलग प्रारूप में मिली थी।

सूर्यकुमार ने कहा कि मैंने खिलाड़ियों से कहा कि वे वैसा ही क्रिकेट खेलें जैसा वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते हैं। सूर्यकुमार ने टीम संयोजन के बारे में कुछ नहीं बताया और कहा कि संयोजन हमारे दिमाग में है। हम जानते हैं कि कल कौन पारी का आगाज करेगा और शायद हम आज अभ्यास सत्र के बाद ही अंतिम फैसला करें। हां, हमारे पास छह गेंदबाज के काफी विकल्प हैं। कप्तानी के बारे में उन्होंने कहा कि मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। बस खिलाड़ियों को एकजुट रखना होता है और यह ग्रुप काफी अच्छा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नई गेंद ही दिलाएगी भारत को जीत: इरफान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय गेंदबाज इरफान पठान ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नई गेंद ही भारत को जीत दिलाएगी। गौरतलब है कि टीम को दोनों पारियों में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दौरान नई गेंद की चुनौती का सामना करना होगा। बता दें कि भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट खेलना है। पहला टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक सेंचुरियन में तो दूसरा 3-7 जनवरी तक केप टाउन में होना है। 2 टेस्ट मैचों की श्रृंखला जीतने के बाद यह 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की भारत की दूसरी सीरीज है। इरफान पठान ने एक शो के दौरान कहा कि देखो, उन्हें जीत के लिए मंत्र की खोज करनी होगी और मुझे लगता है कि यह मंत्र नई गेंद में है। जब आप नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हैं तो आप उस पर जीत हासिल कर लेते हैं। इससे आपके लिए चीजें आसान हो जाएंगी। वैसे भी दक्षिण अफ्रीका में सबसे मुश्किल काम बल्लेबाजी करते वक्त नई गेंद का सामना करना ही है। गौरतलब है कि भारत ने आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका में दिसंबर 2021-जनवरी 2022 में टेस्ट श्रृंखला खेली थी। भारत ने सेंचुरियन में पहला टेस्ट जीता था लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग और केप टाउन टेस्ट जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली थी। इरफान पठान ने कहा कि मैंने पाया कि पिछली बार जब हमने यह खेला था और टेस्ट श्रृंखला जीती थी तब हम उनके खिलाफ जीते थे, जिस तरह से हमने दूसरे और तीसरे सत्र में गेंदबाजी की थी, हम एक गेंदबाजी इकाई के रूप में थक गए थे। इस बार भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। बल्लेबाजी में कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और ईशान किशन मौजूद हैं।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन जारी, वेस्टइंडीज ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। कीसी कार्टी के अर्धशतक और रोमारियो शेफर्ड की 28 गेंदों पर 41 रन की पारी की मदद से वेस्टइंडीज ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीती।

बारिश के कारण मैच को पहले 43 और फिर बाद में 40 ओवर का कर दिया गया। इंग्लैंड के बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन फिर से जारी रहा और उसकी टीम 40 ओवर में नौ विकेट पर 209 रन ही बना पाई। बारिश के कारण वेस्टइंडीज की पारी शुरू होने में देर लगी, जिससे उसके सामने 34 ओवर में 188 रन का लक्ष्य रखा गया। वेस्टइंडीज ने 31.4 ओवर में छह विकेट पर 191 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की तरफ से शेफर्ड के अलावा कार्टी ने 50 और एलिस अथनेज ने 45 रन का योगदान दिया। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड ने 29 रन देकर तीन विकेट लेने के अलावा नाबाद 13 रन भी बनाए

और वनडे में उन्हें पदार्पण पर ही मैन ऑफ द मैच चुना गया। शेफर्ड और फोर्ड ने 69 रन की अटूट साझेदारी की। इससे पहले इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर 5 विकेट पर 49 रन था। इसके बाद बेन डकेट (71) और लियम लिविंगस्टोन (45) विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। वेस्टइंडीज की तरफ से फोर्ड के अलावा अलजारी जोसेफ ने 61 रन देकर तीन और शेफर्ड ने 50 रन देकर दो विकेट लिए।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान, इन 15 खिलाड़ियों को मिली जगह

लंदन ।टी20आई सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित कर दी गई है। रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम में 35 वर्षीय बल्लेबाजी ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को भी शामिल करने की घोषणा की है। साथ ही कैरेबियाई हिटमैन को भी लगभग दो साल बाद बुलाया गया है। पहला टी20 मैच बारबाडोस में होगा। वहीं, अगले दो मैच ग्रेनाडा में होने हैं। अंतिम दो मैच त्रिनिदाद में खेले जाएंगे। रोवमैन पॉवेल पांच मैचों की श्रृंखला में कैरेबियाई टीम का नेतृत्व करेंगे जो 13 दिसंबर से शुरू होगी और 22 दिसंबर को समाप्त होगी। टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज शाई होप को उप-कप्तान बनाया गया है। इस बीच निकोलस पूरन और जेसन होल्डर जिन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए नहीं बुलाया गया था उन्हें 15 सदस्यीय टीम में रखा गया है। बॉलिंग-ऑलराउंडर गुडाकेश मोती अपने तीन मैचों में चार विकेट लेने के बाद एकदिवसीय श्रृंखला में प्रभावित किया था, को भी पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला में रखा गया है। टीम की घोषणा करते हुए क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा कि यूएसए के साथ 2024 टी20 विश्व कप की मेजबानी करने से पहले यह साल की उनकी आखिरी टी20आई श्रृंखला होगी। हेन्स ने कहा ?कि यह 2023 में वेस्टइंडीज के लिए अंतिम घरेलू टी20आई श्रृंखला होगी क्योंकि वे जून 2024 में वेस्टइंडीज और यूएसए में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए दो मेजबान टीमों में से एक बनने की तैयारी कर रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले पांच मैचों की टी20आई सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में रोवमैन पॉवेल (कप्तान), शाई होप (उपकप्तान), रोस्टन चेज़, मैथ्यू फोर्डे, शिम्रोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, काइल मेयर्स, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड को शामिल किया गया है।

वीजा नहीं मिलने से पाकिस्तानी टीम के पास ऑस्ट्रेलिया में नहीं हैं चिकित्सक

कराची ।पाकिस्तानी टीम के पास आस्ट्रेलिया में इस समय कोई चिकित्सक नहीं हैं। इसकी वजह वीजा और पासपोर्ट नहीं मिलना बताया जा रहा है। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया गई पाकिस्तान की सीनियर टीम के पास कोई भी चिकित्सक नहीं है। जबकि अंडर-19 टीम बिना टीम मैनेजर के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंची है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे के लिए सोहेल सलीम को टीम का आधिकारिक चिकित्सक नियुक्त किया गया था लेकिन वह अभी तक टीम से नहीं जुड़ पाए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अभी डॉक्टर सलीम

के लिए वीजा हासिल करने का प्रयास कर रहा है। वीजा मिलने के तुरंत बाद ही वह पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट मैच में टीम से जुड़ जाएंगे। अंडर 19 पर उन्होंने कहा कि पूर्व टेस्ट बल्लेबाज शोएब मोहम्मद को यूएई में एशिया कप में भाग ले रही पाकिस्तान की जूनियर टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया था लेकिन वह भी टीम के साथ नहीं जा पाए। सूत्रों ने कहा कि शोएब के पासपोर्ट की समय सीमा खत्म हो गई थी और बोर्ड उसे सुलझाने में लगा है। उम्मीद है कि वह जल्द ही यूएई में टीम से जुड़ जाएंगे। इतना ही नहीं अबरार अहमद की जगह पाकिस्तान की टीम में चुने गए ऑफ स्पिनर साजिद खान भी वीजा कारणों से ऑस्ट्रेलिया नहीं जा सके हैं।

इंग्लैंड से हार के बाद दीप्ति शर्मा ने पिच पर दोष मढ़ने से किया परहेज

मुंबई। इंग्लैंड से हार के बाद भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा कि हमें पिच पर दोष नहीं मढ़ना चाहिए। उन्होंने अपनी टीम के लचर बल्लेबाजी प्रदर्शन के लिए पिच पर दोष मढ़ने से परहेज करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए तैयार किया गया विकेट उतना चुनौतीपूर्ण नहीं था जितना कि वह लग रहा था। भारतीय टीम शनिवार को खेले हुए मैच में 16.2 ओवर में केवल 80 रन ही बना पाई। पहला मैच 38 रन से गंवाने वाली भारतीय टीम दूसरे मैच में चार विकेट से हार गई जिससे इंग्लैंड तीन मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने में सफल रहा। दीप्ति शर्मा ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा कि पिच इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं थी कि उसमें केवल 70 या 80 रन ही बन पाते। हमें कुछ और रन बनाने चाहिए थे जिससे हमारा स्कोर 110-115 के आसपास पहुंच जाता। उन्होंने कहा कि अगर हमने बीच में साझेदारियां निभाई होती तो हम अच्छे स्कोर तक जरुर पहुंच सकते थे। अब हम इससे सबक लेकर अगले मैच में उतरेंगे। भारतीय प्लेयर दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजों के प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने इंग्लैंड को आसानी से लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। उन्होंने कहा कि हम मैच को जितना संभव हो उतना खींचना चाहते थे और गेंदबाजों ने अच्छी भूमिका निभाई। हमने पूर्व में भी इस तरह के मैच खेले हैं। हम सकारात्मक बने रहना चाहते थे। दीप्ति ने कहा कि पहले मैच के लिए विकेट बेहतर था और गेंद अच्छी तरह से बल्ले पर आ रही थी। दूसरे मैच की तुलना में पहले मैच में हमारे लिए बल्लेबाजी करना आसान था।

युवराज सिंह को 2011 विश्वकप जीत का क्रेडिट नहीं मिला: गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अभी तक एक दिवसीय विश्वकप दो बार जीता है, दूसरी बार महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2011 में जीता था। भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने कहा है कि 2011 में भारत को विश्व कप जिताने में उनकी भूमिका के लिए पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को उचित श्रेय नहीं मिला है। युवराज ने 2011 विश्व कप में 362 रन बनाए और 15 विकेट हासिल किए। उन्होंने इस पूरी प्रतियोगिता में चार प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिला था, वही संख्या जो श्रीलंका के अरविंद डी सिल्वा ने 1996 में, दक्षिण अफ्रीका के लांस क्लूजनर ने 1999 में और हमवतन रोहित शर्मा ने 2019 में जीते थे। गौतम गंभीर ने कहा कि आप यह जानते हैं। आप कृपया मुझे बताएं कि एक खिलाड़ी युवराज सिंह जो 2011 में मैन ऑफ द टूर्नामेंट थे, कितने लोग उनके बारे में बात करते हैं। क्यों? शायद उनके पास कोई अच्छी पीआर एजेंसी नहीं है। शायद उनके लिए अंडररेटेड शब्द अनुचित है। इसे वास्तव में कम दिखाया गया है, यदि आप लोगों को नहीं दिखाएंगे, तो उन्हें पता नहीं चलेगा। अगर आप एक व्यक्ति को ही दिखाते

रहेंगे, तो वह एक ब्रांड बन जाएगा।

विश्व कप 2011 फाइनल में 97 रन बनाने वाले गौतम गंभीर का मानना ??है कि अगर एक व्यक्ति को हर समय दिखाया जाएगा और बाकी को कम दिखाया जाएगा, तो केवल एक ही व्यक्ति को सारी सुर्खियां मिलेंगी और दूसरे व्यक्ति को श्रेय नहीं मिलेगा। वह इसके लायक है। गंभीर ने कहा कि अगर आज मेरे पास मशीनरी है और मुझे 2 व्यक्तियों को चुनना है, जहां मैं एक व्यक्ति को 2 घंटे और 50 मिनट के लिए और दूसरे व्यक्ति को केवल 10 मिनट के लिए दिखाऊंगा, तो 2 घंटे और 50 मिनट के लिए दिखाया गया एक व्यक्ति एक ब्रांड बन जाएगा। जब आपने दूसरे व्यक्ति को नहीं दिखाया, तो आपने दूसरे व्यक्ति को महत्व नहीं दिया। जब तक आप दूसरे व्यक्ति को महत्व नहीं देते तो देश उन्हें कैसे महत्व देगा।

गौरतलब है कि गौतम गंभीर ने भारत के लिए 147 एकदिवसीय मैचों में 39.68 की औसत से 11 शतक और 34 अर्द्धशतक के साथ 5,238 रन बनाए हैं। वह 37 टी20 में 27.41 की औसत से 932 रन बना चुके हैं। वहीं उन्होंने 58 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 41.95 की औसत से 4,154 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 104 पारियों में 9 शतक और 22 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 206 रहा। वह मार्च 2009 से अप्रैल 2010 के बीच लगातार 5 टेस्ट मैचों में शतक बनाने वाले एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने 2009 में आईसीसी टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता।

लिवरपूल ने क्रिस्टल पैलेस को 2-1 से हराया, प्रीमियर लीग की तालिका में शीर्ष पर पहुंचा

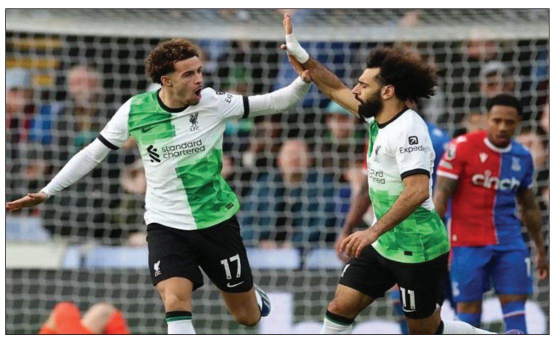

लंदन। हार्वे इलियट के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से लिवरपूल ने क्रिस्टल पैलेस को 2-1 से हराया, जिससे वह इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल प्रतियोगिता की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। मोहम्मद सलाह ने प्रीमियर लीग में अपना 150वां और लिवरपूल की तरफ से सभी प्रतियोगिताओं में 200वां गोल करके लिवरपूल को बराबरी दिलाई थी। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी इलियट ने 91वें मिनट में विजयी गोल दागा। क्रिस्टल पैलेस को जीन फिलिप माटेटा ने 57वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके बढ़त दिलाई थी। लिवरपूल इस जीत से आर्सेनल से एक अंक आगे हो गया है। आर्सेनल को एस्टन विला ने 1-0 से हराया। लिवरपूल के अब 16 मैच में 37 अंक हो गए हैं जबकि आर्सेनल के इतने ही मैचों में 36 अंक हैं। एस्टन विला के 35 अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर है।

श्रीसंत के आरोप पर पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर खुलकर आए सामने

-विराट कोहली, शाहिद अफरीदी, नवीन उल हक से जुड़ी कंट्रोवर्सी पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर कंट्रोवर्सी को लेकर खुलकर सामने आए हैं। श्रीसंत के गंभीर आरोप लगाने के बाद उन्होंने अनेक अनकहे रहस्यों पर से पर्दा उठाया है। उन्होंने एक शो के दौरान विराट कोहली, शाहिद अफरीदी और नवीन उल हक से जुड़े अनचाहे किस्सों का जिक्र करते हुए असलियत बताने की कोशिश की। गंभीर ने इससे पहले कहा कि भारतीय दर्शक सितारा क्रिकेटर के मुरीद हो जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्रिकेट विश्व कप 2011 में भारतीय टीम की जीत का जो श्रेय युवराज सिंह को मिलना चाहिए था, वह उन्हें नहीं मिल पाया। गंभीर ने इस दौरान और भी मुद्दे पर अपनी बात रखी। गंभीर ने विराट कोहली का नाम लेने पर दर्शकों को अभद्र इशारा करने से साफ इंकार कर दिया। गंभीर ने उस किस्से को याद करते हुए कहा कि अगर मैं वहां जा रहा हूं और कुछ प्रशंसक इशारा करते हैं और हिंदुस्तान मुर्दाबाद कहते हैं और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें एक बार ऐसा नहीं करने के लिए कहा है, तो मैं स्वीकार करता हूं कि मैंने गलत इशारा किया है। हर कोई अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है, हर किसी की मानसिकता अलग होती है। गौतम गंभीर ने कहा कि अगर कोई सुनना नहीं चाहता है तो आप प्रतिक्रिया देते हैं और मैं स्वीकार कर रहा हूं कि मुझे ऐसा इशारा नहीं करना चाहिए था। गंभीर ने घटनाक्रम के बाद आई मीडिया रिपोर्ट्स पर कहा कि कुछ पत्रकारों ने केवल प्रतिक्रिया दी है। यह भी कहा गया कि यह भारत-पाकिस्तान मैच था लेकिन ऐसा नहीं था, कोई स्पष्टीकरण नहीं था। मीडिया के एक वर्ग ने केवल एक प्रतिक्रिया दिखाई लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। आईपीएल की घटना से आगे बढ़ें; आप इसे जारी रखना चाहते हैं। ऐसा कहा गया था कि एक व्यक्ति के नाम का जाप किया जा रहा था और इसीलिए मैंने इस तरह से प्रतिक्रिया दी। लोग किसी के भी नाम का जाप कर सकते हैं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं झगड़ों को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेता। लेकिन हां, जब किसी के द्वारा मेरे देश को गाली देने की बात आती है, तो मुझे वैसे भी प्रतिक्रिया देने का अधिकार है। गंभीर ने कहा कि मैं शायद अधिक समझदार तरीके से चाहता हूं, लेकिन जो चीजें लिखी और बोली गईं, वे गलत थीं। जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होता है तो हमेशा शाहिद अफरीदी के साथ मेरी लड़ाई दिखाते हैं। क्या और झगड़े नहीं हुए। कुछ सकारात्मक दिखाओ। यह दिखाओ कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप कब जीता है। 1984 में भारत ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान को 54 रनों से हराकर अपना पहला एशिया कप खिताब जीता था। गौतम गंभीर और शाहिद अफरीदी के बीच 2009 में कानपुर वनडे के दौरान लड़ाई हुई थी। इसके बाद गंभीर का अफरीदी पर बयान चर्चा में आया था कि अफरीदी की उम्र तो बढ़ी रही है, लेकिन मानसिक रूप से वह अभी भी 16 साल के हैं। अफरीदी के साथ अपने विवाद के बारे में बात करते हुए गंभीरने कहा कि वह बहुत पहले ही इससे आगे बढ़ चुके हैं और अगर वे इसी पर कायम रहना चाहते हैं तो पूर्व खिलाड़ी को इससे पूरी तरह से कोई दिक्कत नहीं है।

जिम्बाब्वे के कप्तान सिंकदर रजा समेत 2 पर लगा बैन

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिसंघ (आईसीसी) ने जिम्बाब्वे के कप्तान सिंकदर राजा पर 2 मैचों का प्रतिबंध लगा दिया है। सिंकदर राजा को आयरलैंड के खिलाफ मैच में आचार संहिता की लेवल-1 का उल्लंघन के दोषी पाए जाने के कारण 2 मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। खबरों के अनुसार जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हुए पहले टी20 मैच में रजा के अलावा आयरलैंड के खिलाड़ी कर्टिस केम्फर और जोस लिटिल को भी आईसीसी की आचार संहिता के उल्लघंन का दोषी पाया गया और इसके लिए उन दोनों पर भी 2 मैच खेलने पर पाबंदी लगाई गई है। जिम्बाब्वे के कप्तान रजा पर उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और 2 डिमेरिट अंक दिए गए है, जिसका अर्थ है कि उनके नवीनतम उल्लंघन के बाद 24 महीने की अवधि के भीतर उनके संचित डिमेरिट अंक चार तक पहुंचने के बाद उन्हें मौजूदा तीन मैचों की श्रृंखला के शेष 2 मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है। आईसीसी ने अपने एक बयान में कहा कि इन तीनों को आईसीसी आचार संहिता की लेवल-1 का उल्लंघन करते पाया गया था, जो 'खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है। हालांकि कप्तान रजा के शानदार खेल की बदौलत जिम्बाब्वे ने यह मैच 1 विकेट से जीत लिया था। आईसीसी द्वारा जारी किए गए बयान में कहा गया कि कैंपर और लिटिल पर उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और प्रत्येक को एक डिमेरिट अंक प्राप्त हुआ है, जो 24 महीने के भीतर एक मैच खेलने से वंचित रहेंगे। कैंपर और लिटिल ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और आईसीसी मैच रेफरी के एमिरेट्स एलीट पैनल के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित मंजूरी को स्वीकार कर लिया और इस तरह से अब औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं रही। वहीं सिकंदर रजा ने भी अपनी गलती मान ली है, पर पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार नहीं किया है। इस मामले में शुक्रवार को औपचारिक सुनवाई में मंजूरी की पुष्टि की गई। कप्तान रजा ने कहा कि कैम्फर और लिटिल ने उस पर हमला करने के उद्देश्य से अपना बल्ला दिखाने और अंपायर को दूरी बनाने को बोला था। जिन्होंने स्थिति को शांत करने की कोशिश की थी।

हार्दिक की वापसी को लेकर बीसीसीआई का बड़ा अपडेट, जैसे ही फिट होंगे हम बता देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के जांबाज व दुनिया के बेस्ट ऑलराउंडर्स में से एक हार्दिक पंड्या की वापसी को लेकर बीसीसीआई ने बड़ा अपडेट दिया है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा कि जैसे ही वह फिट होंगे तो हम बता देंगे। गौरतलब है कि वर्ल्ड कप के दौरान चोटिल हो गए। भारतीय टीम के लिए हार्दिक एक अहम खिलाड़ी ही नहीं बल्कि टी20 में टीम के कप्तान भी हैं। लेकिन आगामी टी20 वर्ल्ड कप में कप्तानी के लिए रोहित शर्मा पर कयास लगाए जा रहे हैं। हिटमैन ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद छोटे प्रारूप कप्तानी नहीं की है। लेकिन रोहित शर्मा कैप्टैंसी को लेकर क्या प्लान है और हार्दिक पंड्या कब वापसी कर सकते हैं, इन दोनों सवालों के उत्तर बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने दे दिए हैं। वुमेन प्रीमियर लीग के ऑक्शन के चलते 9 दिसंबर को माहौल गर्म रहा। इस दौरान जय शाह ने मेंस क्रिकेट टीम के बारे में भी अपने विचार रखते हुए रोहित शर्मा की कप्तानी को लेकर कहा कि अभी स्पष्टता की आवश्यकता नहीं है। टी20 वर्ल्ड कप जून में शुरू हो रहा है, हमारे पास उससे पहले आईपीएल है और अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज है। हम देख रहे हैं कि वह एनसीए में ही है और काफी मेहनत कर रहे हैं। जैसे ही वह फिट होंगे हम आपको उचित समय पर बता देंगे। उन्होंने कहा कि वह अफगानिस्तान श्रृंखला से पहले भी फिट हो सकते हैं।' गौरतलब है कि टीम इंडिया टी20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका दौरे पर पहुंच चुकी है। टी20 सीरीज का आगाज हो चुका है। इस सीरीज में टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के हाथों में है।

टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मो। सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर शामिल हैं।

हनुमान जी के ध्यान से बनता है जीवन मंगलमय

हनुमानजी को पराक्रम, बल, सेवा और भक्ति के आदर्श देवता माने जाते हैं। इसी वजह से पुराणों में हनुमानजी को सकलगुणनिधान भी कहा गया है। गोस्वामी तुलसीदास ने भी लिखा है कि- 'चारो जुग परताप तुम्हारा है परसिद्ध जगत उजियारा।' इस चौपाई का अर्थ है कि हनुमानजी इकलौते ऐसे देवता हैं, जो हर युग में किसी न किसी रूप गुणों के साथ जगत के लिए संकटमोचक बनकर मौजूद रहेंगे। शास्त्रों में कहा गया है कि हनुमानजी की सेवा करने और उनका व्रत रखने से उनकी विशेष कृपा अपने भक्तों पर बनी रहती है। जानिए मंगलवार की व्रत कथा और पूजन विधि।

हनुमानजी का व्रत करने का लाभ

ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार, हनुमानजी का व्रत करने से कुंडली में मौजूद सभी ग्रह शांत हो जाते हैं और उनकी अशीम कृपा प्राप्त होती है। अपने भक्तों पर आने वाले हर संकट को हनुमानजी दूर करते हैं। संतान प्राप्ति के लिए हनुमानजी का व्रत फलदायी माना जाता है। इस व्रत को करने से भूत-प्रेत और काली शक्तियों का प्रभाव नहीं पड़ता है। मंगलवार का व्रत करने से सम्मान, साहस और पुरुषार्थ बढ़ता है।

मंगलवार पूजन विधि

हनुमानजी का व्रत लगातार 21 मंगलवार करना चाहिए। मंगलवा के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान वगैरह से निवृत्त होकर सबसे पहले हनुमानजी का ध्यान करें और व्रत का संकल्प करें। इसके बाद ईशान कोण की दिशा (उत्तर-पूर्व कोने) में किसी एकांत स्थान पर हनुमानजी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। फिर गंगाजल के छीटें देकर उनका लाल कपड़ा धारण कराएं। फिर पुष्प, रोली और अक्षत के छीटें दें। इसके बाद चमेली के तेल का दीपक जलाएं और तेल की कुछ छीटें मूर्ति या तस्वीर पर डाल दें।

इसके बाद हनुमानजी फूल अर्पित करें और अक्षत व फूल हाथ में रखकर उनकी कथा सुनें और हनुमान चालिसा और सुंदरकांड का पाठ भी करें। इसके बाद आप भोग लगाएं और अपनी मनोकामना बाबा से कहें और प्रसाद सभी में वितरण कर दें। अगर संभव हो सके तो दान जरूर करें। शाम के समय भी हनुमान मंदिर जाकर चमेली के तेल का दीपक जलाएं और सुंदरकांड का पाठ करें और उनकी आरती करें। 21 मंगलवार के व्रत होने के बाद 22वें मंगलवार को विधि-विधान के साथ बजरंगबली का पूजा कर उन्हें चोला चढ़ाएं। उसके बाद 21 ब्राह्मणों को बुलाकर उन्हें भोजन कराएं और क्षमतानुसार दान-दक्षिणा दें।

मंगलवार व्रत कथा

एक समय की बात है एक ब्राह्मण दंपत्ति प्रेमभाव से साथ-साथ रहते थे लेकिन उनकी कोई संतान ना होने के कारण दुखी रहते थे। ब्राह्मण हर मंगलवार के वन जाकर हनुमानजी की पूजा करने जाता था और संतान की कामना करता था। ब्राह्मण की पत्नी भी हनुमानजी की बहुत बड़ी भक्त थी और मंगलवार का व्रत रखती थी। वह हमेशा मंगलवार के दिन हनुमानजी का भोग लगाकर ही भोजन करती थी। एक बार व्रत के दिन ब्राह्मणी भोजन नहीं बना पाई, जिससे हनुमानजी का भोग नहीं लग सका। तब उसने प्रण किया कि वह अगले मंगलवार को हनुमानजी को भोग लगाकर ही भोजन करेगी। वह छह दिन तक भूखी-प्यासी रखी और मंगलवार के दिन व्रत के दौरान बेहोश हो गई।

ब्राह्मणी की निष्ठा और लगन को देखकर हनुमानजी बहुत प्रसन्न हुए और आशीर्वाद के रूप में एक संतान दी और कहा कि यह तुम्हारी बहुत सेवा करेगा। संतान पाकर ब्राह्मणी बहुत प्रसन्न हुई और उसने बालक का नाम मंगल रखा। कुछ समय बाद जब ब्राह्मण घर आया, तो घर में बच्चे की आवाज सुनाई दी और अपनी पत्नी से पूछा कि आखिर यह बच्चा कौन है? ब्राह्मणी की पत्नी ने कहा कि हनुमानजी ने व्रत से प्रसन्न होकर अपने आशीर्वाद के रूप में यह संतान हम दोनो की दी है। ब्राह्मण को अपनी पत्नी की इस बात पर विश्वास नहीं हुआ। एक दिन जब ब्राह्मणी घर पर नहीं थी तो ब्राह्मण ने मौका देखकर बच्चे को कुएं में गिरा दिया।

अजब-गजब हनुमान, पंचायत में करते हैं फैसला, उतारते हैं प्रेम का भूत

जब ब्राह्मणी घर लौटी तो उसने मंगल के बारे में पूछा। तभी पीछे से मंगल मुस्कुरा कर आ गया और ब्राह्मण बच्चे को देखकर आश्चर्य चकित रह गया। रात को हनुमानजी ने ब्राह्मण को सपने में दर्शन दिए और बताया कि यह संतान तुम्हारी है। ब्राह्मण सत्य जानकर बहुत खुश हुआ। इसके बाद ब्राह्मण दंपत्ति प्रत्येक मंगलवार को व्रत रखने लगे। शास्त्रों के अनुसार, जो भी मनुष्य मंगलवार व्रत और कथा पढ़ता या सुनता है, उसे हनुमानजी की विशेष कृपा प्राप्ति होती है। उसके सभी कष्ट दूर होते हैं और हनुमानजी की दया के पात्र बनते हैं।

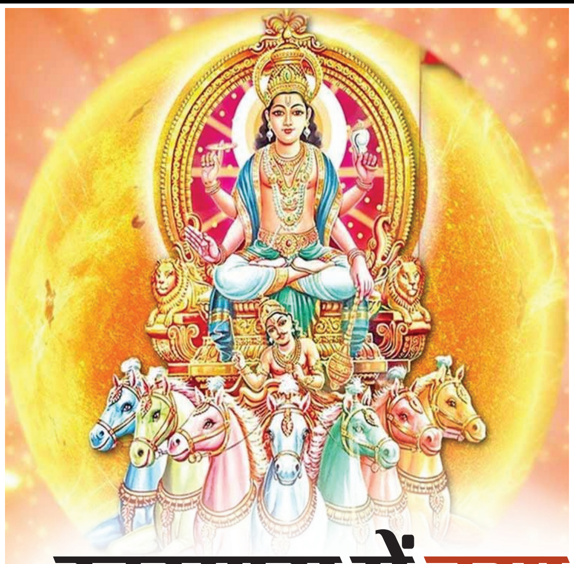

खरमास में क्या करें और क्या नहीं करना चाहिए

सूर्य के धनु राशि में प्रवेश से एक माह के लिए खरमास का प्रारंभ हो जाता है। 16 दिसंबर 2023 शनिवार से खरमास प्रारंभ हो रहा है। उल्लेखनीय है कि खर का अर्थ होता है गधा अर्थात सूर्यदेव के रथ में घोड़ो की बजाए गधे जोत दिया जाते हैं जिसके चलते एक माह के लिए सूर्यदेव की गति धीमी हो जाती है। इस माह में क्या करें और क्या नहीं यह जरूर जानें।

क्या नहीं करें : खरमास को मलमाल भी कहते हैं इस दौरान मांगलिक कार्य नहीं करते हैं। मलमास में नामकरण, विद्या आरंभ, कर्ण छेदन, अन्न प्राशन, उपनयन संस्कार, विवाह संस्कार, गृहप्रवेश तथा वास्तु पूजन आदि मांगलिक कार्यों को नहीं किया जाता है।

क्या करें : इस माह में अपने अराध्य देव की अराधना करें। सूर्यदेव को अर्घ्य दें। तिल, वस्त्र और अनाज का दान करें। गाय को चारा खिलाएं। गंगा, यमुना आदि पवित्र नदियों में स्नान करें। बृहस्पति का उपवास करें और उपाय भी करें। गुरुवार को मंदिर में पीली वस्तुएं दान करें।

धनु संक्रांति के दिन सत्यनारायण की कथा का पाठ किया जाता है। तत्पश्चात देवी लक्ष्मी, शिव जी तथा ब्रह्मा जी की आरती की जाती है और चरणामृत का प्रसाद चढ़ाया जाता है। भगवान श्री विष्णु की पूजा में केले के पत्ते, फल, सुपारी, पंचामृत, तुलसी, मेवा आदि का भोग तैयार किया जाता है। साथ ही इस दिन मीठे व्यंजन बनाकर भगवान का भोग लगाया जाता है।

किस देवी-देवता के सामने कौन सा दीपक जलाना होता है शुभ

सनातन धर्म में पूजा-पाठ करना काफी अहम माना जाता है। पूजा-अर्चना के जरिए व्यक्ति भगवान के प्रति अपनी भावना और आस्था को दर्शाता है। मान्यता के अनुसार, पूजा करने से व्यक्ति के अंतरात्मा का शुद्धिकरण होता है। साथ ही इससे आस्था, विश्वास और शक्ति प्राप्त होती है। भगवान की पूजा करने से पहले हम सभी को पूजा-पाठ के कुछ नियमों का पालन करना जरूरी होता है। जिससे की इष्ट देव की पूजा करने में किसी तरह की परेशानी न आए।

पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति का आध्यात्मिक भाव बढ़ता है। वहीं भगवान की पूजा में दीपक जलाए जाने का खास महत्व होता है। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी होता है कि कौन से देवी-देवता को किस प्रकार का दीपक जलाना शुभ होता है। यह भगवान के सामने दीपक में लगाई जाने वाली बत्तियों पर निर्भर करता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस प्रकार का दीपक जलाना शुभ होता है। साथ ही यह भी जानेंगे कि इससे क्या लाभ होता है।

एक मुखी दीपक- पूजा के दौरान दीपक जलाना शुभ माना जाता है। अपने इष्टदेव की पूजा के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इस दीपक में बत्ती का उपयोग किया जाता है। जब आप किसी देवी-देवता की पूजा करते हैं, तो इस दौरान एक मुखी दीपक का इस्तेमाल करना शुभ माना जाता है।

दो मुखी दीपक- इसके साथ ही मां दुर्गा की पूजा के लिए दो मुखी दीपक जलाना चाहिए। इससे मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और जातक को मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

तीन मुखी दीपक - हिंदू धर्म में भगवान श्री गणेश को बुद्धि का देवता माना जाता है। भगवान गणेश की पूजा के दौरान तीन मुखी दीपक जलाना चाहिए। इससे वह जल्दी प्रसन्न होते हैं।

चौमुखी दीपक- बाबा काल भैरव की पूजा के दौरान सरसों के तेल का चौमुखी दीपक जलाना शुभ माना जाता है।

पांच मुखी दीपक- बता दें कि भगवान भोलेनाथ के पुत्र कार्तिकेय की पूजा में पांच मुखी बत्ती का उपयोग करना चाहिए। इस तरह से देव कार्तिकेय की पूजा करने से जातक को कोर्ट-कचहरी के मामले में विजय प्राप्त होती है।

सात मुखी दीपक- सात बत्तियों वाले दीपक का उपयोग लक्ष्मी पूजन में करना चाहिए। मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है। इससे जातक की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

आठ मुखी या बारह मुखी दीपक- कहा जाता है कि भगवान शिव को प्रसन्न करना बेहद आसान होता है। इसलिए उन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है। ऐसे में महादेव की पूजा के दौरान आठ या बारह बत्ती वाले दीपक का उपयोग करना चाहिए।

सोलह मुखी दीपक - भगवान श्रीहरि विष्णु को सृष्टि का पालनहार कहा जाता है। ऐसे में उनकी पूजा के लिए 16 बत्तियों वाले दीपक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

वास्तु शास्त्र में तांबा का चमत्कारी प्रभाव, जाने कैसे करें इस्तमाल

वैज्ञानिक तौर पर तांबा शरीर के लिए उपयोगी माना गया है, लेकिन आज हम आपको बता रहें है कैसे ज्योतिषशास्त्र के अनुसार तांबा आपके जीवन की परेशानियों को दूर कर सकता है। तांबे की शुद्धता को ध्यान में रखते हुए इसे धारण किया जा सकता है। आइये जानते है तांबा पहनने के क्या फायदे होते है....

-अगर आपके घर में वास्तुदोष है जिसके कारण आपके और आपके परिवार के सदस्यों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो वास्तु के अनुसार अपने घर में एक चौकोर तांबे का टुकड़ा रखें। ऐसा करने से आपका घर वास्तुदोष से मुक्त होगा।

-अगर आपने घर बनवाते समय वास्तु के नियमों को ध्यान में नहीं रखा है और आपके घर का मुख्य द्वार वास्तु के अनुसार नहीं है तो अपने दरवाजे के वास्तुदोष को दूर करने के लिए दरवाजे पर तांबे के सिक्के लटका दें। ये सिक्के आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होने देंगे।

-अगर आपके घर की दक्षिण दिशा में दोष है तो आप इस दिशा के दोष से छुटकारा पाने के लिए ठोस तांबे का पिरामिड घर में रखें। इसे घर में रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

-छोटे बच्चे को अगर बार-बार नजर लग जाती है तो आप अपने बच्चे को एक तांबे के सिक्के में छेद करके उसे काले धागे में पिरोकर बच्चे को पहनाएं। ऐसा करने से आपका बच्चा किसी की बुरी नजर से सुरक्षित रहेगा।

-तांबे की अंगूठी पहने से व्यक्ति के सूर्य दोष दूर होते हैं। इसलिए अगर कमजोर सूर्य के कारण जीवन में परेशानियां आप कम नहीं कर पा रहे तो ऐसे में यह अंगूठी पहनें। बहुत जल्द आपको इसका असर दिखेगा, आपको मान-सम्मान और प्रसिद्धि मिलेगी।

-तांबे की अंगूठी गुस्सा नियंत्रण करने में कारगर है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह शांत प्रकृति का है और गर्मी दूर करता है। इसलिए व्यक्ति के मानसिक स्थिति को संतुलित कर गुस्सा शांत करता है।

-आश्चर्यजनक रूप से तांबे का प्रयोग आपको वास्तु दोषों से भी दूर रखता है। शुद्धक होने के कारण आप अगर इसे किसी भी रूप में शरीर पर धारण करते हैं तो यह आपको वास्तु दोषों के प्रभाव से मुक्त करता है।

समुद्र का पानी क्यों हुआ खारा, जुड़ा है मां पार्वती से नाता

हिंदू धर्म में शिव पुराण को बहुत ही खास माना जाता हैं। वहीं शास्त्रों में इस बात का वर्णन मिलता है पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महाराजा पृथु के पुत्रों ने जब समुद्रों का निर्माण किया था तो सातों समुद्र मीठे और दूध जैसे द्रव्यों के थे। लेकिन वर्तमान में दुनियाभर में जितने भी समंदर हैं वो सभी खारे पानी के हैं। आखिर समुद्र का पानी खारा क्यों होता है इसके पीछे एक पौराणिक कथा छुपी हुई है आइए जानते है इस कथा के बारे में....

शिव पुराण के मुताबिक एक बार देवी माता पार्वती शिव को पाने के लिए घोर तपस्या कर रही थी। उनकी तपस्या का तेज इतना था कि देवलोक में बैठे देवताओं का सिहांसन डोलने लगा। इससे देवता भयभीत हो गए। जब सभी देवता इस समस्या को हल करने में जुटे थे उसी वक्त समुद्र देव माता पार्वती के स्वरूप को देखकर मोहित हो गए।

समुद्र ने भगवान शिव को कहा था बुरा भला

जब माता पार्वती की तपस्या पूरी हो गई तब समुद्र देव ने उनसे विवाह करने की इच्छा जताई। इस संबंध में उन्होंने मां पार्वती के पास विवाह का प्रस्ताव भी रखा। यह सुनकर माता पार्वती ने समुद्र देव से कहा कि वे कैलाशपति भगवान शिव से प्रेम करती हैं और उन्हें अपना पति परमेश्वर मान चुकी हैं। जब समुद्र देव ने यह सुना तो उन्हें गुस्सा आ गया। वे भगवान शिव के लिए भलाबुरा कहने लगे। उन्होंने क्रोध में आकर कहा, 'उस भस्माधारी आदिवासी में ऐसा क्या है, जो मुझमें नहीं है, मैं सभी मनुष्यों की प्यास बुझाता हूं, मेरा चरित्र दूध की तरह सफेद है। हे पार्वती! मेरा विवाह प्रस्ताव स्वीकार करें।'

क्रोध में आकर मां पार्वती ने दिया श्राप

माता पार्वती ने जब अपने सामने भोलेनाथ का तिरस्कार होते हुए देखा तो उन्हें सहन नहीं हुआ। उन्हें समुद्र देव के ऊपर क्रोध आ गया। उन्होंने समुद्र देव को शाप देते हुए कहा, जिस मीठे पानी पर तुमको घमंड है, वह खारा हो जाएगा। खारे पानी की वजह से तुम्हारा जल मनुष्य ग्रहण नहीं कर पाएंगे। मां पार्वती के उस श्राप के कारण समुद्र का जल खारा हो गया। एक पौराणिक कथा यह भी है कि जब समुद्र हुआ था, तब मंथन के प्रभाव से भी समुद्र जल खारा हो गया था।

घर में खुशियां भर देता है स्वास्तिक

हर व्यक्ति यह सोचता है कि उसका घर खुशियों से भरा रहे। इन खुशियों के लिए लोगा काफी प्रयत्न किया करते हैं। लेकिन लोग पुराने धर्म कर्म को पूरी तरह से भुला देते हैं। जी हां इन में से ही एक है स्वस्तिक। स्वस्तिक का आविष्कार आर्यों ने किया और पूरे विश्व में यह फैल गया। आज स्वस्तिक का प्रत्येक धर्म और संस्कृति में अलग-अलग रूप में इस्तेमाल किया गया है। कुछ धर्म, संगठन और समाज ने स्वस्तिक को गलत अर्थ में लेकर उसका गलत जगहों पर इस्तेमाल किया है तो कुछ ने उसके सकारात्मक पहलू को समझा। स्वस्तिक को भारत में ही नहीं, अपितु समुचे विश्व के कई देशों में विभिन्न स्वरूपों में मान्यता प्राप्त है। जर्मनी, यूनान, फ्रांस, रोम, मिस्त्र, ब्रिटेन, अमरीका, स्कैण्डिनेविया, सिसली, स्पेन, सीरिया, तिब्बत, चीन, साइप्रस और जापान आदि देशों में भी स्वस्तिक का प्रचलन किसी न किसी रूप में देखने को मिल ही जाता है। हिदू धर्म में स्वस्तिक को शक्ति, सौभाग्य, समृद्धि और मंगल का प्रतीक माना जाता है। हर मंगल कार्य में इसको बनाना शुभ माना जाता है। स्वस्तिक का बायां हिस्सा गणेश की शक्ति का स्थान बीजमंत्र होता है। इसमें जो चार बिदियां होती हैं, उनमें गौरी, पृथ्वी, कच्छप और अनंत देवताओं का वास होता है। इस मंगल-प्रतीक का गणेश की उपासना, धन, वैभव और ऐश्वर्य की देवी लक्ष्मी के साथ, बही-खाते की पूजा की परम्परा आदि में विशेष महत्व है। घर के वास्तु को ठीक करने के लिए स्वस्तिक का प्रयोग किया जाता है। स्वस्तिक के चिन्ह को भाग्यवर्धक वस्तुओं में गिना जाता है। स्वस्तिक के प्रयोग से घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर चली जाती है। इसकी चारों दिशाओं के अधिपति देवताओं, अग्नि, इंद्र, वरुण एवं सोम की पूजा हेतु तथा सप्तऋषियों के आशीर्वाद को प्राप्त करने में प्रयोग किया जाता है। यह चारों दिशाओं और जीवन चक्र का भी प्रतीक है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इजरायली हमले में लेबनान सीमा पर हिजबुल्लाह आतंकी ढेर

बेरूत । लेबनान के एक सैन्य सूत्र ने बताया कि दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती इलाकों में इजरायली हमलों में एक हिजबुल्लाह आतंकी मारा गया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि ऐता अल-शाब गांव पर इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह आतंकी की मौत हो गई। सूत्र के अनुसार इजरायली युद्धक विमानों और ड्रोनों ने सीमावर्ती इलाकों में घरों और जंगलों को निशाना बनाकर छह हवाई हमले किए इसमें 6 घर नष्ट हो गए और 15 अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। इस बीच हिजबुल्लाह की सैन्य शाखा इस्लामिक रेजिस्टेंस ने कहा कि उसके लड़ाकों ने 10 इजरायली स्थलों पर 10 हमले किए इसमें एक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। इज़राइली मीडिया ने बताया कि लेबनान के साथ देश की सीमा पर 3 सैनिक घायल हो गए और उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा बंदरगाह शहर हाइफ़ा के रामबाम अस्पताल ले जाया गया है। लेबनान-इज़रायल सीमा पर 8 अक्टूबर से तनाव बढ़ गया। जब लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने 7 अक्टूबर को इज़राइल पर हमास के हमलों के जवाब में इजराल ने दक्षिणपूर्वी लेबनान की ओर भारी गोलीबारी की।

अमेरिका के टेनेसी में भीषण तूफान, 6 की मौत, 23 घायल

वाशिंगटन । अमेरिका के टेनेसी राज्य में आए भीषण तूफान से कम 6 लोगों की मौत हो गई व 23 घायल हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार शनिवार दोपहर को मोंटगोमरी काउंटी में बवंडर से एक बच्चे सहित 3 लोगों की मौत हो गई। टेनेसी की राजधानी नैशविल के उपनगरीय इलाके में तीन और लोगों की मौत हो गई। मोंटगोमरी काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि मौसम और गिरी हुई बिजली लाइनों और मलबे से संभावित खतरों के कारण, हम आग्रह करते हैं कि लोग घरों में रहें।

लाइन में खराबी से श्रीलंका में बिजली हुई गुल

कोलंबो । श्रीलंका में ट्रांसमिशन लाइन में खराबी से देश भर में बिजली गुल हो गई है। बिजली आपूर्तिकर्ता ने यह जानकारी दी। बिजली आपूर्तिकर्ता सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड ने कहा कि बिजली बहाल करने में कुछ घंटे लगेंगे। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को हुई असुविधा के लिए खेद है। शनिवार शाम करीब 5 बजे बिजली गुल हो गई। रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

आतंकरोधी विभाग के चार कर्मचारियों पर बलूच युवाओं की हत्या मामले में केस दर्ज

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के आतंकरोधी विभाग के चार कर्मचारियों पर बलूच युवाओं की हत्या के मामले में केस किया गया है। पाक अखवार डॉन के अनुसार तुरबत में बलूच युवाओं की हत्या को लेकर ये केस किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट द्वारा फर्जी मुठभेड़ में 4 युवाओं के मारे जाने के बाद पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में विरोध-प्रदर्शन हुआ था। फर्जी मुठभेड़ में मारे गए युवक के परिवार ने केच जिले में विरोध किया था। परिवार के सदस्यों के अनुसार बख्श और 3 अन्य लोगों को एक फर्जी मुठभेड़ में मार दिया गया था। हालांकि आतंकवाद-रोधी विभाग ने परिवार के आरोपों को बेबुनियाद बताया था।

यूक्रेन के खिलाफ रूस ने क्यों उतारे गोरखा सैनिक?

कीव । यूक्रेन ने कुछ दिन पहले एक शख्स का वीडियो पोस्ट किया था, जो रूस के लिए लड़ते हुए पकड़ा गया था। ये शख्स न तो रूस का रहने वाला था और न ही रूसी सेना के द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। ये शख्स नेपाल का रहने वाला था। यह रूसी सेना में शामिल होने और यूक्रेन के खिलाफ लड़ने के लिए भाड़े के सैनिक के रूप में आया था। वीडियो में शख्स की पहचान बिबेक खत्री के रूप में हुई थी। उसने बताया कि रूसी सेना में शामिल होने के पीछे का मकसद सिर्फ पैसा कमाना था। हिमालय की गोद में बसे छोटे से देश में आबादी तेजी से बढ़ रही है और रोजगार की कमी हो रही है। बिबेक ने रूसी आधिकारियों को बताया कि मेरा परिवार संकट में है। मेरी मां काम नहीं कर पाती है, हमें पैसों की ज़रूरत है। इसलिए मैं शामिल हुआ। मेरे दोस्तों ने भाड़े के सैनिक के रूप में शामिल होने का सुझाव दिया था। मैं एक सफल आदमी के रूप में अपनी मां के पास लौटना चाहता था तो मैं शामिल हो गया। किव पोस्ट ने दावा किया है रूस में नेपाल के राजदूत मिलन राज तुलाधर ने एक साक्षात्कार में बताया है कि खत्री अकेले नहीं हैं जिनको मॉस्को से आकर्षक ऑफर मिल रहे हैं। लगभग 200 से अधिक नेपाली नागरिक रूसी सेना में भाड़े के सैनिकों के रूप में सेवा दे रहे हैं। यूक्रेन के खिलाफ रूस के लिए युद्ध में लड़ते हुए कम से कम 6 नेपाली नागरिकों की मौत हो चुकी है। अब नेपाल सरकार पर अपने जवानों को वापस लाने के लिए जनता का दबाव पड़ने लगा है।

चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग की मौत का नहीं मिला सुराग

-गायब होने के बाद पता नहीं चला कि सुसाइड किया या टार्चर से गई जान

बीजिंग। चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग की मौत का कहीं कोई सुराग नहीं मिला है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी किन गैंग की मौत सवालों के घेरे में बनी हुई है। माना जा रहा है कि किन गैंग की मौत संदेहास्पद है और उनकी मौत को लेकर यह पता नहीं चल सका है कि उन्होंने सुसाइड किया या टार्चर करने से जान गई है। हालांकि किन गैंग की मौत के मामले की जांच की जा रही है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कथित विवाहेतर संबंध के कारण पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग को उनके पद से बर्खास्त कर दिया था। किन जून में गायब हो गए थे, लेकिन अब उनकी मौत ने इस मामले को पेचीदा बना दिया है। जुलाई में उन्हें उनकी भूमिका से हटाए जाने से पहले, किन गैंग एक महीने से अधिक समय तक सार्वजनिक जगहों पर दिखाई नहीं दे रहे थे। उनकी अनुपस्थिति के बारे में कई प्रकार की अटकलें लगाई जाने लगी थीं। दावा किया गया कि जुलाई के अंत में एक सैन्य अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी, जिसमें शीर्ष नेताओं का इलाज होता है। बता दें कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) ने पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग के कथित विवाहेतर संबंधों की जांच की और पाया कि यह मामला तब हुआ जब किन गैंग अमेरिका में चीनी राजदूत के रूप में कार्यरत थे। हालांकि चीनी विदेश मंत्रालय ने इस मामले पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया था। किन के निष्कासन ने कई लोगों को चौंका दिया क्योंकि वह शी जिनपिंग के करीबी माने जाते थे। किन ने जुलाई 2021 से 2023 की शुरुआत तक अमेरिका में चीनी दूत के रूप में कार्य किया था। सीपीसी की जांच में कहा गया है कि किन को उनकी जीवनशैली के कारण बर्खास्त किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, यह शब्द चीन में यौन दुर्व्यवहार के लिए उपयोग किया जाता है।

हमास के आतंकी लोगों को पीटकर चुरा रहे खाना, इजरायल ने किया खुलासा

गाजा । गाजा में हमास के आतंकी इन दिनों लोगों को पीटकर उनसे खाना छीनकर अपनी भूख मिटा रहे हैं। इजरायली रक्षा बलों आईडीएफ और हमास के बीच लगातार संघर्ष गहराता जा रहा है। इस जंग में मरने वालों की संख्या 16 हजार पार कर गई है। सबसे ज्यादा मानवीय नुकसान गाजा में रह रहे निर्दोष फिलिस्तीनियों को उठाना पड़ा है। मरने वालों में सबसे ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। हमास इस जंग में आरोप लगाता रहा है कि इजरायली सेना बड़ी क्रूरता से आम नागरिकों की हत्या कर रही है। डब्ल्यूएचओ समेत दुनिया की कई एजेंसियां भी गाजा की हालत पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। इस बीच आईडीएफ ने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उसने दावा किया है कि गाजा में पहुंच रही अंतरराष्ट्रीय मदद को हमास आतंकी जबरन हड़प रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि बंदूक की नोंक पर हमास आतंकी गाजा के लोगों को पीट रहे हैं और डराकर उनसे खाना और अन्य जरूरी रसद छीन रहे हैं। इजरायल रक्षा बलों ने हमास आतंकवादियों पर नागरिकों की पिटाई करने और गाजा को अंतरराष्ट्रीय संगठनों से मिलने वाली मानवीय सहायता चुराने का आरोप लगाया। आईडीएफ ने कहा कि हमास के लिए गाजा के लोग कुछ काम के नहीं हैं। आईडीएफ द्वारा एक्स पर जारी वी?डियों में आम लोगों को बंदूकधारियों द्वारा पीटते हुए दिखाया गया है। दावा किया गया है कि वे हमास के आतंकी हैं। आईडीएफ ने यह भी कहा कि अल-मवासी गाजा का वो इलाका है, जहां इजरायली सेना ने कोई सैन्य कार्रवाई नहीं की है।

तेल अवीव में इज़राइल और फिलिस्तीनी इस्लामी समूह हमास के बीच चल रहे संघर्ष के बीच, फिलिस्तीनी इस्लामी समूह हमास द्वारा 7 अक्टूबर के घातक हमले में अपहृत बंधकों की रिहाई के लिए आयोजित एक रैली में शामिल हुए लोग।

तोशाखाना केस में इमरान खान की पत्नी को जांच एजेंसी ने किया तलब

इस्लामाबाद । इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को पाकिस्तान के एंटी करप्शन एजेंसी नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो ने तोशाखाना मामले में तलब किया है। एनएबी रावलपिंडी ने बुशरा बीबी को नोटिस जारी करके तोशाखाना मामले के सिलसिले में उन्हें 11 दिसंबर को सुबह 11 बजे जांच के लिए बुलाया है। एनएबी ने तोशखाना मामले की जांच के सिलसिले में बुशरा बीबी से सोने का हार, हीरे की अंगूठी और कंगन भी अपने साथ लाने को कहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इससे पहले पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने बुशरा बीबी का नाम एग्जिट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) में शामिल किया था। सूत्रों के हवाले से कहा गया या कि राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) के 19 करोड़ पाउंड के घोटाले में ईसीएल पर इमरान खान और बुशरा बीबी के नामों का उल्लेख किया गया है। एनएबी की सिफारिश पर उनका नाम ईसीएल में शामिल किया गया था। मालूम हो कि बुशरा बीबी पर तोशाखाना के उपहारों से बालियां, दो अंगूठियां, एक चेन और एक कंगन रखने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा उन पर सोना, हीरा, सोने और हीरे की अंगूठियां, हार, झुमके और कंगन रखने का भी आरोप है। एनएबी के मुताबिक उपहारों की कीमत को देखने के लिए उनको तोशाखाना में पेश ही नहीं किया गया था। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने इमरान खान को झूठे बयान और गलत घोषणा करने के लिए अयोग्य ठहराए जाने के बाद तोशाखाना मुद्दा पाकिस्तान की राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया। 2022 में तत्कालीन सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों द्वारा दायर संदर्भ में आरोप लगाया गया है कि पीटीआई अध्यक्ष ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान तोशाखाना से अपने पास रखे गए उपहारों के बारे में जानकारी नहीं दी। बाद में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान खान के दोषी ठहराए जाने को निलंबित कर दिया और उन्हें जमानत दे दी थी।

भारत-यूके के बीच एफटीए को लेकर होगी चर्चा

दिल्ली पहुंचे ऋषि सुनक के वरिष्ठ अधिकारी, फरवरी तक होगा इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की टीम के कई वरिष्ठ अधिकारी इन दिनों भारत आए हुए है। अधिकारी दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर जारी बातचीत के सिलसिले में दिल्ली आए है। इस यात्रा को लेकर अब तक किसी ने कोई पुष्टि नहीं की है। किसी विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ है। इस यात्रा और बातचीत को लेकर द गार्जियन ने शनिवार को रिपोर्ट दी थी।

हालांकि संभावना जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रत्याशित आम चुनाव अभियान पर निकलने से पहले फरवरी के अंत तक एफटीए को अंतिम रूप देने का विचार कर सकती है। वर्ष 2024 में दोनों ही देशों में चुनाव होने है। भारत के साथ व्यापार समझौते पर हत्साक्षर करने से ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की छवि भी मजबूत होगी। द गार्जियन में छपी रिपोर्ट में अधिकारी ने जाकनारी दी है कि सौदा अभी भी बहुत आगे है, और हमारा मानना है कि दोनों देशों के चुनाव से पहले इसे हासिल किया जा सकता है। इसे पूरा करने के लिए आपसी उत्सुकता है।' बता दें कि भारत-यूके एफटीए के लिए बातचीत पिछले साल जनवरी में शुरू हुई थी। शुरुआत में तत्कालीन प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन द्वारा निर्धारित दिवाली 2022 की समय सीमा तय की गई थी।

इस कड़ी में 13 दौर की बातचीत हो चुकी है। बैठकों के साथ ही ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली टोरी सरकार एक समझौते को सुरक्षित करने के लिए निश्चित नई समयसीमा तय करने को लेकर सतर्क है, जिससे जीबीपी36-बिलियन द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी में काफी वृद्धि होने की उम्मीद है। व्यापार और व्यापार विभाग (डीबीटी) के एक प्रवक्ता ने यूके सरकार के आधिकारिक रुख को दोहराते हुए कहा, 'यूके और भारत एक महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते को आगे बढ़ा रहे हैं जो दोनों देशों के हितों की सेवा करता है। हमारी प्रतिबद्धता एक निष्पक्ष और संतुलित समझौते पर हस्ताक्षर करने की बनी हुई है।' समझौता जो अंततः ब्रिटिश लोगों और अर्थव्यवस्था के सर्वोत्तम हित में है।''

हाल ही में विदेश मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर ने पुष्टि की कि एफटीए पिछले महीने उनकी यूके यात्रा के दौरान एजेंडा आइटम में से एक था। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों पक्ष एक आम सहमति पर पहुंचेंगे जो उनके पारस्परिक हितों को पूरा करेगी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सुनक और अन्य वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, 'हमने पर्याप्त प्रगति की है। मेरा मानना है कि दोनों पक्ष एफटीए के महत्व को समझते हैं और इसे हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

अपनी नवंबर यात्रा के दौरान, मंत्री ने यूके के विपक्षी नेताओं के साथ एफटीए वार्ता पर भी चर्चा की, लेबर नेता कीर स्टार्मर और छाया विदेश सचिव डेविड लैमी के साथ बैठकें कीं। शुरुआत में ऐसा माना जा रहा था कि ऋषि सुनक बहुप्रतीक्षित एफटीए को अंतिम रूप देने के लिए 29 अक्टूबर को लखनऊ में इंग्लैंड बनाम भारत विश्व कप मुकाबले में क्रिकेट कूटनीति का इस्तेमाल करेंगे। हालाँकि, टोरी पार्टी में आंतरिक राजनीतिक उथल-पुथल और इज़राइल-हमास संघर्ष जैसे वैश्विक तनाव के कारण ऐसा नहीं हुआ। हाउस ऑफ कॉमन्स समिति सत्र के दौरान समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर यूके के व्यापार और व्यापार सचिव केमी बडेनोच ने कहा कि हम इसे पूरा होने के कगार पर हैं। हम इसे उचित समय पर अंतिम रूप देंगे।

पुतिन फिर लड़ रहे हैं 2024 में राष्ट्रपति पद का चुनाव

-अगले दो टर्न तक पद पर बने रहने किया संविधान में बदलाव

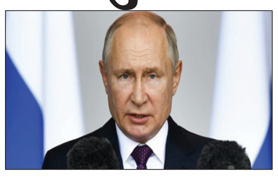

मास्को (एजेंसी)। रूस में अगले साल राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। व्लादिमीर पुतिन भी इस चुनाव में उतर रहे हैं। व्लादिमीर पुतिन ने ऐलान किया है कि वह 2024 में रूस में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे हैं। जानकार बता रहे हैं कि उनका पांचवां कार्यकाल भी तय माना जा रहा है। हालांकि, भले ही अभी चुनाव और रिजल्ट में महीनों का वक्त बाकी है, मगर सभी जानते हैं कि पुतिन ही इस चुनाव को जीतने वाले हैं। दरअसल पुतिन ने रूस की राजनीतिक व्यवस्था को पूरी तरह से कंट्रोल किया है। विपक्षी नेताओं को जेल में भेजना हो या फिर विरोधियों को ठिकाने लगाना। रूस में पुतिन के लिए ये आम बात रही है। पुतिन ने पिछले सभी चुनाव भारी-भरकम मार्जिन से जीते है। हालांकि, चुनाव पर नजर रखने वाली संस्थाओं का कहना है कि पुतिन चुनावों में धांधली करते आए हैं। पुतिन के लंबे समय तक प्रवक्ता रहने वाले शख्स ने कहा है कि वह अगले साल 90 प्रतिशत वोट के साथ चुनाव जीतेंगे। व्लादिमीर पुतिन ने 2020 में संविधान में बदलाव करवाए, जिसके जरिए वह अगले साल अपना कार्यकाल खत्म होने के बाद भी अगले दो टर्म तक राष्ट्रपति रह सकते हैं।

गौरतलब है कि रूस में राष्ट्रपति का कार्यकाल छह सालों का होता है, जिसका मतलब हुआ कि अगर पुतिन चाहें तो 2036 तक राष्ट्रपति बने रह सकते हैं। अगर वह तब तक राष्ट्रपति बने रहते हैं, तो उनका कार्यकाल जोसेफ स्टालिन के कार्यकाल से भी लंबा हो जाएगा। स्टालिन ने 29 सालों तक रूस की सत्ता संभाली थी। पुतिन को 1999 में बोरिस येल्तसिन के हाथों राष्ट्रपति पद मिला था। इस तरह वह 23 से ज्यादा साल से रूस की सत्ता पर काबिज हैं। उन्होंने इस दौरान कई सारे रिकॉर्ड भी बनाए हैं। पुतिन ने 18 साल तक शासन करने वाले लियोनिड ब्रेझनिव का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया है। ऐसे में अब सवाल उठता है कि अगर 71 साल के पुतिन चाहें तो आजीवन राष्ट्रपति बने रह सकते हैं। मगर फिर भी वह अगले साल चुनाव क्यों लड़ना चाहते हैं।

गाजा में लगातार जारी है इजराइल की बमबारी, 17 हजार के ऊपर पहुंची मृतकों की संख्या

यरुशलम (एजेंसी)। इस समय लगातार गाजा में इजराइल की बमबारी जारी है। अब तक यहां मृतकों की संख्या 17 हजार पार कर गई है। ताजा अपडेट के अनुसार इजराइल-हमास युद्ध के कारण गाजा में मारे गए लोगों की संख्या 17,700 हो गई है जिनमें करीब दो तिहाई संख्या महिलाओं और बच्चों की है। हमास नियंत्रित क्षेत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इजराइल ने दक्षिणी गाजा पट्टी में शनिवार को हवाई हमले और गोलाबारी तेज कर दी। ये हमले अमेरिका द्वारा गाजा में मानवीय आधार पर तत्काल संघर्ष विराम की मांग करने वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के खिलाफ वीटो का इस्तेमाल करने के एक दिन बाद हुए, जबकि इसे सुरक्षा परिषद के अधिकांश सदस्यों और कई अन्य देशों का समर्थन मिला हुआ था। कुल 15 सदस्यीय परिषद में प्रस्ताव के पक्ष में 13 और विरोध में एक मत पड़ा जबकि ब्रिटेन अनुपस्थित रहा। इजराइल ने कहा कि सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद जमीनी कार्रवाई में उसके 97 सैनिक मारे गए हैं। हमास के सात अक्टूबर के हमले में करीब 1,200 लोगों की मौत हुई थी जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे और उसने 240 लोगों को बंधक बना लिया था। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने धमकी दी है कि गाजा में भोजन और दवाओं की निर्बाध आपूर्ति जब तक सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक वह लाल सागर और अरब सागर से इजराइली बंदरगाहों की ओर जाने वाले हर पोत को रोकेगा।

हालांकि हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताहों में लाल सागर में कई जहाजों पर हमला किया और इजराइल को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। बता दें कि गाजा के एक छोटे से हिस्से में मामूली मानवीय सहायता पहुंच पा रही है। बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन युद्ध विराम का विरोध कर रहा है। उसका तर्क है कि इससे हमास इजराइल के लिए खतरा बना रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रशासन ने इजराइल को 10.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के लगभग 14,000 राउंड टैंक गोला-बारूद की आपातकालीन बिक्री को मंजूरी दे दी है।

कानून की नजर में अपराधी, पर काम ऐसा कि मिला नोबेल पुरस्कार

-ईरान की जेल में 31 सालों से हैं बंद नरगिस मोहम्मदी

-मां की जगह बच्चे लेंगे नोबेल पुरस्कार

-बच्चे बोले, नहीं पता अब फिर मिल पाएंगे या नहीं

-अशांति फैलाने के मामले में 31 साल से जेल में बंद नरगिस के बच्चे लेंगे शांति का नोबेल पुरस्कार

पेरिस (एजेंसी)। शांति का नोबेल पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी बीते 31 सालों से ईरान की जेल में कैद हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने ईरान में अशांति फैलाने की कोशिश की है। अब पुरस्कार ग्रहण करने के लिए जेल से बाहर निकलने की अनुमति को लेकर उनके दोनों जुड़वा बच्चों का कहना है कि मां तो पुरस्कार लेने नहीं जा पाएंगी लेकिन हम लोग जरुर जाएंगे। मोहम्मदी के दोनों जुड़वा बच्चे कियाना रहमान और अली का कहना है कि उनकी मां पर उन्हें गर्व है और वो उनका संघर्ष जारी रखेंगे। बच्चों ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वो दोबारा अपनी मां से कभी मिल पाएंगे या नहीं लेकिन वो उनके दिलों में हमेशा रहेंगी।

नरगिस की बेटी कियाना रहमान का कहना हैं उन्होंने अपनी मां को आठ साल पहले देखा था। अब दोबारा उनसे मिल पाएंगी उन्हें नहीं पता। उन्होंने कहा कि मुझे इससे कई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उनकी मां हमेशा उनके दिल में और उनके परिवार के साथ हैं और वो हमेशा जिंदा रहेंगी। वहीं उनके बेटे अली ने कहा कि उन्होंने इस बात को बचपन में ही स्वीकार कर लिया था कि वो लोग अब अलग रहेंगे। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई की वो दोबारा अपनी मां को देख सकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि अगर हम उसे दोबारा नहीं पाएंगे तब भी हम हमेशा उन पर गर्व करेंगे और उनका संघर्ष जारी रखेंगे।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी के बच्चे अब अपनी से दोबारा कभी मिल पाएंगे या नहीं उन्हें नहीं पता, लेकिन उन्हें अपनी मां पर गर्व हैं। ये कहना है नरगिस के जुड़वा बच्चों ली और कियाना रहमान का, जिनकी उम्र 17 साल है। नरगिस के दोनों बच्चे अपने पिता के साथ पेरिस में रहते हैं। नरगिस के दोनों बच्चे ओस्लो के सिटी हॉल में अपनी मां की तरफ से पुरस्कार लेंगे। इससे पहले उन्होंने मीडिया से कहा कि उनकी मां महिलाओं के अधिकारों के लिए उनके संघर्ष कर रही हैं, ऐसे में उन्हें अपनी मां के ऊपर गर्व है। दोनों बच्चे अपनी मां की तरफ से नोबेल शांति पुरस्कार स्पीच भी देंगे। इसके साथ ही मोहम्मदी के पति तगी रहमानी ने कहा कि ये पुरस्कार नरगिस को एक बड़ी आवाज देगा, भले ही उनकी अपने हालात और ज्यादा कठिन हो। रहमानी ने कहा कि ये एक राजनीतिक पुरस्कार है और इसलिए नरगिस पर ज्यादा दबाव होगा, लेकिन साथ ही ये लोगों की आवाज को आगे भी बढ़ाएगा। तगी रहमानी भी सामाजिक कार्यकर्ता हैं और लोगों के हक के लिए अपनी आवाज उठाते रहे हैं।

गौरतलब है कि ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने वाली 51 साल की नरगिस मोहम्मदी को तेहरान की इविन जेल में रखा गया है। ईरान की सरकार ने नरगिस को सरकार के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। हिजाब पहनने के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिए जाने के बाद ईरान में 22 साल की महसा अमिनी की पुलिस की हिरासत में मौत हो गई थी। उनकी मौते के ठीक एक साल बाद मोहम्मदी को शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। आपको बता दें कि नरगिस मोहम्मदी ये पुरस्कार जीतने वाली 19वीं महिला हैं, जिसकी कीमत आज 11 मिलियन स्वीडिश क्राउन या लगभग 1 मिलियन डॉलर है। हिरासत में रहकर पुरस्कार जीतने वाली नरगिस पांचवी शख्स हैं। नोबेल शांति पुरस्कार 10 दिसंबर को स्वीडिश उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु की सालगिरह के मौके पर प्रदान किया जाता है।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से निपटने के लिए विकसित देशों को आगे आना होगा- केंद्रीय मंत्री

दुबई (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा है कि दुनिया में जिस तरह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है वो आने वाले समय के लिए काफी नुकसान देने वाला है। इसके दुष्प्रभावों से निपटने का आसान तरीका है कि दुनिया के सभी विकसित देश आगे आएं और छोटे देशों का सहयोग करें। कॉप 28 में शिखर सम्मेलन में मैंग्रोव एलायंस फॉर क्लाइमेट मंत्रिस्तरीय बैठक में मंत्री यादव ने कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि समानता और जलवायु न्याय, जलवायु कार्रवाई का आधार होना चाहिए तथा यह तभी सुनिश्चित किया जा सकता है जब विकसित देश जलवायु परिवर्तन से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत ने एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। उन्होंने आगे कहा, हम (भारत) ने केवल तापमान वृद्धि से निपटने के लिए उत्सर्जन को कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं बल्कि जैव विविधता को समृद्ध करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

भारत सरकार ने शोरलाइन हैबिटेट्स पहल की शुरुआत की। उन्होंने आगे कहा, मानव जाति के लिए जैव विविधता का मूल्य सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं के साथ-साथ इसके आर्थिक आयाम में भी निहित है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने बजट 2023-24 में शोरलाइन हैबिटेट्स की पहल शुरू की। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत समुद्र तट के किनारे मैंग्रोव वृक्षारोपण किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि देश में मौजूद सुंदरबन डॉल्फिन, मगरमच्छ और गंभीर रूप से लुप्तप्राय कछुओं को संरक्षित करने पर सरकार जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने 2005 और 2019 के बीच अपनी जीडीपी उत्सर्जन तीव्रता को 33 फीसदी तक कम करते हुए 11 साल पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने में सार्थक और प्रासंगिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए ग्लोबल स्टॉक टेक (जीएसटी) के नतीजों को लेकर आश्वस्त है। जीएसटी पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों की दो साल की समीक्षा है। इसमें खासतौर पर ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने का लक्ष्य रखा गया है। भूपेंद्र यादव ने आगे कहा, भारत के पर्यावरण मंत्री के रूप में मैं स्वयं भारत के ज्वारीय क्षेत्रों जैसे कि गुजरात और तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में कार्यक्रमों में भाग लेता रहा हूं, जहां मैंग्रोव वृक्षारोपण अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि लोग मैंग्रोव लगाने के लिए भारी संख्या में आ रहे हैं।

सोने के धागे से बने वस्त्र धारण करेंगे रामलला

अयोध्या। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दिन रामलला सोने के धागे से निर्मित वस्त्र धारण करेंगे। रामलला के वस्त्र पुणे में तैयार किए जा रहे हैं। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है, जिसकी तैयारी की जा रही है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए राम मंदिर में साज-सज्जा का भी दौर शुरू हो चुका है। भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान रामलला को जो वस्त्र धारण कराए जाएंगे, वह पुणे में तैयार किए जा रहे हैं। रामलला की पोशाक सोने के धागे से तैयार की जा रही है। इस प्रकार रामलला के वस्त्र विशेष रहेंगे। वैसे देश और दुनिया के लोग रामलला के लिए विशेष वस्त्र समर्पित करना चाहते हैं, लेकिन राम मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि पुणे के कुछ लोग रामलला की पोशाक निर्माण का कार्य आज रविवार से शुरू कर रहे हैं। इसमें दो-दो स्वर्ण धागे जन-सहयोग से लगाए जाएंगे और पोशाक 22 दिसंबर तक तैयार हो जाएगी। राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने कहा कि संपूर्ण देश में भगवान रामलला के लिए अनेक लोग सुंदर वस्त्र तैयार करने में लगे हुए हैं। गुजरात के साथ-साथ कई अन्य जगहों पर भी इन वस्त्रों को तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उस समय जो भी वस्त्र सबसे अच्छा लगेगा, वही रामलला धारण करेंगे।

दिल्ली पुलिस ने विश्नोई गेंग के दो गुर्गे पकड़े

नई दिल्ली। एक फाइव स्टार होटल के सामने फायरिंग करने जा रहे लॉरेंश बिश्नोई गिरोह के दो सदस्यों को दिल्ली पुलिस ने धर-दबोचा है। हालांकि इससे पहले दोनों तरफ से फायरिंग भी हुई। बदमाशों को पकड़ने में आखिरकार पुलिस को कामयाबी मिल ही गई। पकड़े गए बदमाशों में एक रोहतक का अनीश है और दूसरा 15 साल का नाबालिग है। पुलिस उपायुक्त (विशेष शाखा) राजीव रंजन सिंह ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में आपराधिक सिंडिकेट पर नकेल कसने के लिए एक टीम लगातार लॉरेंस बिश्नोई गिरोह की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। ऑपरेशन के दौरान टीम ने धन जुटाने के लिए जबरन वसूली रैकेट में शामिल गिरोह के हरियाणा स्थित मॉड्यूल की पहचान की। डीसीपी ने कहा, हमें पता चला कि लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट प्रोटेक्शन मनी वसूलने के लिए अपने शार्पशूटरों को दिल्ली में किसी प्रमुख स्थान पर गोलीबारी करने के लिए भेजने जा रहा है। डीसीपी ने कहा,2019 में उसने अपने दूर के रिश्तेदार रोहित उर्फ मोटा, जो रोहतक में सक्रिय अपराधी है, की ओर से डकैती करना, जबरन वसूली के लिए गोलीबारी करना शुरू कर दिया। मई 2023 में उसके रोहित के साथ कुछ मतभेद हो गए और उसने उसे मारने का फैसला किया। वह लॉरेंस बिश्नोई के रिश्तेदार और करीबी सहयोगी अनमोल बिश्नोई से संपर्क कायम करने में कामयाब रहा। डीसीपी ने कहा,आरोपी को सिंडिकेट द्वारा दक्षिणी दिल्ली के एक 5 स्टार होटल में गोलीबारी करने का काम सौंपा गया था और उसने इस काम के लिए अपने गिरोह में उसी गांव के एक किशोर को शामिल किया था। बरामद हथियारों और गोला-बारूद की व्यवस्था गिरोह के सदस्यों ने हरियाणा में की थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली और हरियाणा में तकनीकी निगरानी रखी गई थी और टीम को विशेष सूचना मिली कि गिरोह के सदस्य वसंत कुंज में एक प्रसिद्ध 5 स्टार होटल के बाहर गोलीबारी करेंगे। जाल बिछाया गया और दो संदिग्धों को फर्जी नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल पर सवार देखा गया। जब उन्हें रुकने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने अत्याधुनिक हथियारों से पुलिस पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस दल ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और उन्हें पकड़ लिया। अनीश उर्फ मोखरा ने पुलिस को बताया कि वह बुरे तत्वों के संपर्क में आ गया और रोहतक में अपराध करने लगा।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा होगा साफ : माथुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन से उत्साहित पार्टी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने विश्वास जताया कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में राज्य में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा। राज्य में नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों की रविवार को होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए माथुर स्वामी विवेकानंद विमानतल पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की कुल 11 लोकसभा सीटों में से नौ पर जीत हासिल की थी तथा कांग्रेस को दो सीटें मिली थी। भाजपा विधायक दल की बैठक में भाग लेने के लिए रविवार को भाजपा के पर्यवेक्षकों के दौरे के बारे में पूछे जाने पर माथुर ने कहा कि हमारी पार्टी के पर्यवेक्षक आ रहे हैं और वे क्या निर्णय लेंगे, हम इसका इंतजार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भाजपा के विधायक दल का नेता चुनने के लिए नवनिर्वाचित 54 विधायकों की बैठक रविवार को होगी। बैठक के बाद मुख्यमंत्री कौन होगा इस पर संशय खत्म होने की संभावना है। भाजपा ने पिछले महीने हुए विधानसभा चुनाव से पहले अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की थी। बैठक में पार्टी के तीन पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और सर्बानंद सोनोवाल तथा पार्टी महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम मौजूद रहेंगे। बैठक में माथुर केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और राज्य के लिए पार्टी के सह-प्रभारी नितिन नबीन भी मौजूद रहेंगे। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 90 में से 54 सीटें जीती है। वहीं 2018 में 68 सीटें जीतने वाली कांग्रेस 35 सीटों पर सिमट गई। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) राज्य में एक सीट जीतने में कामयाब रही।

8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ न्यूनतम तापमान, 'बहुत खराब' श्रेणी में वायु गुणवत्ता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री कम 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 314 दर्ज किया गया जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। शनिवार शाम छह बजे एक्यूआई 322 दर्ज किया गया। आईएमडी के अनुसार, सापेक्षिक आर्द्रता सुबह साढ़े आठ बजे 88 फीसदी दर्ज की गयी। मौसम विभाग ने रविवार को आसमान मुख्यत- साफ रहने का अनुमान जताया है। दिल्ली में अभी तक नवंबर में गंभीर वायु गुणवत्ता वाले 10 दिन दर्ज किए गए हैं। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच को संतोषजनक, 101 और 200 के बीच को मध्यम, 201 और 300 के बीच को खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब, 401 और 450 के बीच गंभीर और 450 से ऊपर 'अति गंभीर' माना जाता है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अस्पताल में चंद्रशेखर राव से मुलाकात की

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) से मुलाकात की, जो कूल्हे की सर्जरी के बाद यहां एक निजी अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव और संबंधित अधिकारियों को राव के इलाज के लिए आवश्यक सहायता और सहयोग करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैंने उनके (राव के) तेजी से ठीक होने की कामना की और लोगों से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए तेलंगाना विधानसभा के सत्र में भाग लेने का अनुरोध किया। लोगों को सुशासन देने के लिए उनकी सलाह की आवश्यकता है।' राव का यहां एक निजी सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल में बाईं ओर के कूल्हे की सर्जरी की गई है। अपने आवास पर आठ दिसंबर को गिरने से उन्हें चोट लग गई थी। अस्पताल के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री के छह से आठ सप्ताह में ठीक होने की उम्मीद है।

संजय राउत ने 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस को आगाह किया

मुंबई (एजेंसी)। देशभर में अगले वर्ष यानी 2024 में लोकसभा चुनाव होने है। इन लोकसभा चुनावों से पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता और राज्यसभा सासंद संजय राउत ने कांग्रेस पार्टी के लिए खास चेतावनी दी है। संजय राउत ने लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को आगाह किया है। उन्होंने कहा है कि अगर कांग्रेस पार्टी और खासतौर से गांधी परिवार के नजदीकी लोग लगगातार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुकूल राजनीति करना जारी रखेंगे तो ये पार्टी के लिए मुश्किल भरा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि संजय राउत ने शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में प्रकाशित साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक' में इसका जिक्र किया है। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर उठने वालें मामलों पर भी सवाल किया है। उन्होंने ईवीएम संबंधित आशंकाओं का जिक्र करते हुए कहा कि लोकसभा चुनावों में ये पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है। राउत ने हाल ही में मध्यप्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान हुई वोटों की गिनती का जिक्र करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में जब मतपत्र (डाक मतपत्र) की गिनती हो रही थी तब कांग्रेस 199 सीट पर आगे चल थी लेकिन ईवीएम से गिनती शुरू होने के साथ ही परिस्थिति बदल गई।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हाल में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव जीत दर्ज की है जबकि कांग्रेस तेलंगाना में विजयी रही। इन राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजे तीन दिसंबर को घोषित किए गए। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ का संदर्भ देते हुए राउत ने कहा, ''अगर गांधी परिवार के आसपास के लोग मोदी तथा शाह (केंद्रीय मंत्री अमित शाह) के अनुकूल राजनीति करेंगे तो 2024 में और खतरा होगा।''

कमलनाथ ने मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के चुनाव प्रचार अभियान का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि मोदी का 'जादू' तीन राज्यों में काम आया लेकिन यह तेलंगाना में नहीं चला। राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि यह भ्रम है कि कांग्रेस मोदी को हरा नहीं सकती। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनाव का संदर्भ देते हुए कहा कि कांग्रेस ने पूर्व में मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को हराया है। राउत ने कहा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री क्रमश- अशोक गहलोत और भूपेश बघेल ने मुकाबला किया लेकिन इसके बावजूद दोनों राज्यों में कांग्रेस की हार हुई।

भाजपा को पराजित करने सभी लोगों को साथ लेकर चलेंगे : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन के साथ रहने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए वह सबको साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। वह यहां हाल ही में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने कहा कि पहले दिन से ही सपा का लक्ष्य भाजपा का मुकाबला करना रहा है। भाजपा को हराने के लिए सभी लोगों का सम्मान करते हुए और उनका साथ लेते हुए वह आगे बढ़ेंगे। झारखंड में कांग्रेस सांसद के यहां से 250 करोड़ रुपये की मिलने की बात पर उन्होंने कहा कि कानपुर में भी एक इत्र व्यापारी के यहां से जो रकम बरामद हुई, आधी रकम वापस देकर इस मामले पर विराम लगा दिया गया, क्योंकि यह रकम भाजपा वालों की थी। आप देख लेना, अब इस मामले में भी ऐसा ही होगा। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि उस समय कानपुर के इत्र व्यापारी को सपा से जुड़ा बताया गया था, इसलिए उसकी आधी रकम हमें भी दी जानी चाहिए, जिससे हम इस धन को अगले चुनाव में लगा सकें। सपा अध्यक्ष ने कहा कि देश की जनता को अब ईवीएम पर भरोसा नहीं रह गया है, इसलिए अमेरिका की तर्ज पर बैलट से वोट पड़ने चाहिए। अखिलेश यादव ने उत्तराखंड में सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने वाले रैट होल माइनिंट की टीम के 14 सदस्यों को 1-1 लाख रुपये देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इन साथियों ने अपनी जान की परवाह न कर दूसरों की जान बचाई। सरकार ने सुरंग में फंसे श्रमिकों की मदद की, मगर उसे इन बचाने वालों की भी मदद करनी चाहिए।

पंजाब : केजरीवाल ने 'भगवंत मान सरकार तुहाडे द्वार' योजना की शुरुआत की

लुधियाना (पंजाब) (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लोगों को उनके घरों तक नागरिक-केंद्रित सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से रविवार को 'भगवंत मान सरकार तुहाडे द्वार' योजना की शुरुआत की।

इस योजना के तहत लोगों को जन्म, विवाह, मृत्य, आय, निवास, जाति, ग्रामीण क्षेत्र, सीमा क्षेत्र, पिछड़ा वर्ग, पेंशन के प्रमाणपत्र जारी करने, बिजली बिल के भुगतान और भूमि सीमांकन समेत 43 सेवाएं उपलब्ध होंगी। योजना की शुरुआत करने के बाद यहां एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि यह न केवल पंजाब बल्कि देश के लिए भी एक ऐतिहासिक दिन है। मान के साथ आए केजरीवाल ने कहा, 'पंजाब में शुरू किया जा रहा काम किसी क्रांति से कम नहीं है। यह एक क्रांतिकारी कदम है। आपको दफ्तर जाने की जरूरत नहीं है। आपका काम घर बैठे ही हो जाएगा।' उन्होंने कहा कि 43 सरकारी सेवाएं लोगों को उनके घरों तक मुहैया करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए लोगों को हेल्पलाइन नंबर 1076 पर संपर्क करना होगा। 'आप' नेता ने कहा कि लोग अपनी सुविधा के अनुसार काम की जानकारी देकर सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में उनकी सरकार ने 2018 में यह सेवा शुरू की थी।

धीरज साहू से नोट बरामदगी के बाद कांग्रेस ने खींचे हाथ, पैसों का हिसाब देना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बडी संख्या में नोट बरामदगी के बाद कांग्रेस ने भी धीरज साहू से किनारा कर लिया है। बता दें कि पार्टी के राज्य सभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के परिसरों से बड़े पैमाने पर नकदी बारामद हुई है। इसके बाद कांग्रेस ने कहा कि उसका साहू के कारोबार से कोई लेना-देना नहीं है, तथा इस मामले पर उन्हें ही अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, सांसद धीरज साहू के व्यवसाय से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं है। सिर्फ वही बता सकते हैं और उन्हें यह स्पष्ट करना भी चाहिए कि कैसे आयकर अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर उनके ठिकानों से इतनी बड़ी मात्रा में नकद बरामद किया जा रहा है। इस मामले में अधिकारियों ने बताया कि बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ आयकर विभाग के छापे में अब तक भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि जब्त की गई रकम 290 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है जो किसी भी एजेंसी द्वारा एक ही अभियान में बरामद किए गए काले धन का अब तक का सबसे बड़ा भंडार है।

गौरतलब है कि यह नकदी ओडिशा और झारखंड में धीरज साहू से जुड़े कई ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान बरामद की गई थी। पड़ोसी राज्यों में साहू के परिसरों पर छापेमारी बुधवार को शुरू हुई थी। इस मामले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने झारखंड कांग्रेस से रिपोर्ट मांगी है। इस मामले के बाद कांग्रेस पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आ रही है। जयराम रमेश के बयान के बाद अब कांग्रेस इस पूरे प्रकरण से अपने को बचाने की कोशिश में जुट गई है। हालांकि इतनी भारी रकम बरामद होने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। जिसमें अलमारियों में नोटों के बंडल भरे पड़े हैं। नीचे रखे बैग्स भी नोटों से भरे दिख रहे हैं।

गुटखा विज्ञापन के मामले में केंद्र ने अक्षय, शाहरुख व अजय देवगन को नोटिस दिया

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच को बताया है कि अभिनेता अक्षय कुमार, शाहरुख खान और अजय देवगन को गुटखा कंपनियों के विज्ञापन करने के मामले में यह नोटिस दिया है। केंद्र के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट भी सुनवाई कर रहा है। इसलिए याचिका खारिज कर दी जाए।

इसके बाद बेंच ने 9 मई 2024 को सुनवाई तय की। जस्टिस राजेश सिंह चौहान की बेंच ने एक अवमानना याचिका पर आदेश में कहा कि हाईकोर्ट ने सितंबर 2022 में केंद्र सरकार को याचिकाकर्ता के प्रतिनिधित्व पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। जिन्होंने दलील दी थी कि इन अभिनेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। जिन्हें सम्मान दिए गए हैं, लेकिन वे गुटखा कंपनियों के लिए विज्ञापन कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि 22 अक्टूबर को सरकार को प्रतिवेदन दिया गया था, लेकिन मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिव को नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान डिप्टी सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडे ने बताया कि केंद्र ने अक्षय कुमार, शाहरुख खान और अजय देवगन को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जिसके बाद केंद्र सरकार की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडे ने हाईकोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार ने अभिनेताओं अक्षय कुमार, शाहरुख खान और अजय देवगन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

पांच राज्यों में घने कोहरे के साथ बढ़ेगी ठिठुरन, मौसम विभाग ने किया सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईएमडी ने पांच राज्यों में ठिठुरन के साथ घना कोहरा छाने की चेतावनी जारी की है। गौरतलब है कि साल के आखिरी महीने में उत्तर भारत के हिस्सों में मौसम तेजी से बदल रहा है। सुबह और शाम के वक्त ठंड से कंपकपी बढ़ने लगी है। कई राज्यों में सुबह में कोहरे की धुंध छाई रहती है तो शीतलहर का प्रकोप भी शुरू हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 5 राज्यों में कोहरे का अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि उत्तरी मप्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में अलग-अलग इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। अगर उत्तराखंड की बात करें तो वहां पारा तेजी से लुढ़क रहा है। आईएमडी के मुताबिक, अगले हफ्ते उत्तर भारत के राज्यों में ठिठुरन और बढ़ जाएगी। इसलिए लोगों को पहले से सतर्क रहने के लिए कहा गया है। इधर नई दिल्ली के कई इलाकों में घने कोहरे के कारण सुबह और शाम के वक्त लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के धौला कुआं इलाके में रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। दिल्ली के मुनिरका में भी आज वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में है।

हालांकि मौसम विभाग ने सोमवार को धुंध छाए रहने की संभावना जताई है। यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24 और नौ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। गौरतलब है कि शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा 51 और 100 के बीच को संतोषजनक 101 और 200 के बीच को मध्यम, 201 और 300 के बीच को खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब, 401 और 450 के बीच गंभीर और 450 से ऊपर अति गंभीर माना जाता है। आईएमडी का कहना है कि मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में कई स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा रहने की संभावना है। 11 दिसंबर से एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय को प्रभावित करने वाला है। इसके चलते अगले 24 घंटों के दौरान तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

इधर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। इस दौरान यहां का न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। शुक्रवार की रात तापमान गुरुवार को दर्ज हुए शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले दो डिग्री कम दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी में पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा। मौसम कार्यालय के अनुसार 11 दिसंबर तक आसमान में सामान्यत- बादल छाए रहेंगे लेकिन मौसम शुष्क रहेगा और रात में तापमान में कुछ डिग्री तक की गिरावट आने की संभावना है।

रोचक जिरह- 60 साल पहले संसद में अनुच्छेद 370 पर हुई थी जोरदार बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। धारा 370 एक बार फिर चर्चा में आ गई है। वजह ये है कि सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के आसपास की बहस को निपटाने के लिए तैयार है। 11 दिसंबर को फैसला सुनाने जा रहा है। इससे पहले आलोचकों का तर्क है कि अनुच्छेद को निरस्त करने का निर्णय एकतरफा था, क्योंकि इसे एक स्थायी संवैधानिक प्रावधान माना जाता था। केवल जम्मू और कश्मीर संविधान सभा को ही ऐसा निर्णय लेने का अधिकार था। हालांकि, विधानसभा 26 जनवरी 1957 को भंग कर दी गई थी। कुछ वर्ष पहले नरेंद्र मोदी सरकार ने अनुच्छेद को निरस्त कर दिया था। शीतकालीन सत्र के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कश्मीर में लंबे समय तक के लिए अनुच्छेद 370 लागू रहने के लिए देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को जिम्मेदार ठहराया था।

27 नवंबर 1963 को संसद में इस मुद्दे पर बहस हो रही थी। सांसदों ने अनुच्छेद को निरस्त करने के बारे में सवाल उठाए। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसपर जवाब दिया। हरि विष्णु कामथ, प्रकाश वीर शास्त्री, भागवत झा आजाद, पीसी बोरोहा, मोहन स्वरूप, डॉ एलएम सिंघवी, विश्राम प्रसाद, रघुनाथ सिंह, डीडी मंत्री, राम रतन गुप्ता, पीआर चक्रवर्ती, सिधेश्वर प्रसाद, डीडी पुरी, कछवैया, डीसी शर्मा और हेम राज सहित 19 सांसदों का एक समूह ने भारत के साथ जम्मू-कश्मीर के एकीकरण पर भारत सरकार से प्रतिक्रिया मांगी थी। उनके पश्नों को तीन भागों में विभाजित किया गया था।

पहले और दूसरे सवाल के जवाब में तत्कालीन गृह राज्य मंत्री आरएम हजरनवीस ने कहा था, संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत राष्ट्रपति का एक आदेश 25 सितंबर 1963 को जारी किया गया था, जो जम्मू और कश्मीर पर लागू होता है। उन्होंने कहा था, यह निर्णय लिया गया है कि लोकसभा में जम्मू-कश्मीर के प्रतिनिधियों को अन्य राज्यों की तरह प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुना जाना चाहिए। यह निर्णय वर्तमान आपातकाल की समाप्ति के बाद प्रभावी होगा। उन्होंने आगे कहा, यह भी निर्णय लिया गया है कि जम्मू-कश्मीर के सदर-ए-रियासत और प्रधानमंत्री को क्रमशः राज्यपाल और मुख्यमंत्री के रूप में नामित किया जाना चाहिए। प्रस्ताव को प्रभावी बनाने के लिए कानून राज्य विधानमंडल के अगले सत्र के दौरान लाए जाने की उम्मीद है।

नेहरू ने भी इन सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, जैसा कि गृह मंत्री ने बताया है यह खत्म हो गया है। पिछले कुछ वर्षों में कई चीजें की गई हैं, जिससे कश्मीर का भारत सरकार के साथ बहुत घनिष्ठ संबंध बने हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कश्मीर पूरी तरह से एकीकृत है। उन्होंने आगे, ÷हमें लगता है कि अनुच्छेद 370 को धीरे-धीरे कमजोर करने की प्रक्रिया चल रही है। कुछ नए कदम उठाए जा रहे हैं। अगले एक-दो महीने में ये पूरे हो जाएंगे। हमें इसे चलने देना चाहिए। हम अनुच्छेद 370 को समाप्त करना चाहते हैं। हमें लगता है कि यह पहल कश्मीर राज्य सरकार और लोगों की ओर से होनी चाहिए। हम खुशी से इससे सहमत होंगे। यह प्रक्रिया जारी है।

हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि- अनुच्छेद 370 कुछ संक्रमणकालीन अनंतिम व्यवस्थाओं का एक हिस्सा है। यह संविधान का स्थायी हिस्सा नहीं है।आपको बता दें कि उस समय जम्मू और कश्मीर में शांति थी। राज्य सरकार और विधायिका के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध थे। 1980 के दशक के बाद इसमें बदलाव आना शुरू हुआ, जब पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर को पाकिस्तानी क्षेत्र में विलय करने की एकतरफा घोषणा की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी ने पुत्र और दामाद के साथ मिलकर पति का किया हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा से एक अजीबोगरीब मर्डर मिस्ट्री सामने आई है, जिसमें पत्नी ने अपने ही बेटे और दामाद के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी. गांव की जमीन बेचने की बात पर बेटे, पत्नी और दामाद ने मिलकर एक युवक की हत्या कर दी है। पांडेसरा कैलास नगर में रहने वाले राजाराम यादव पैतृक जमीन बेचने के बाद से परिवार से झगड़ा करते थे। और शराब पी रहे थे। इसके अलावा पैतृक स्थान पर एक और जमीन फिर से बेचने की तैयारी में थी। बेटे ने उसके पैर पकड़े, पत्नी ने उसके हाथ पकड़े, जबकि दामाद ने मोबाइल के तार से उसका गला घोंट दिया और शव को फेंक दिया। . घटना की सूचना पुलिस को दी गई तो पांडेसरा पुलिस का काफिला मौके पर पहुंच गया। पांडेसरा पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की गयी. मृतक युवक के शरीर पर चोट के निशान थे, पांडेसरा पुलिस ने शव को पीएम कराया तो पता चला कि मृतक युवक की मौत गला घोंटने से हुई है। इस पूरे मामले में पांडेसरा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर मृतक युवक की पहचान करने के लिए जांच शुरूकर दिया था जाँच के लिय पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाकर जांच शुरू की, वहीं मृतक युवक की पहचान उत्तर प्रदेश

गांव की जमीन बेचने को लेकर पारिवारिक विवाद बना हत्या का कारण

के मूल निवासी राजाराम ढोलई यादव के रूप में हुई. वर्तमान में पांडेसरा कैलाश चौकड़ी के पास रहते हैं। तो जब पुलिस ने जांच की तो उन्हें परिवार के सदस्यों के वहां होने की जानकारी मिली. इसलिए पुलिस रिश्तेदारों के घर गई और वहां मृतक की पत्नी उर्मीलाबेन उम्र ३४,उनके दामाद राजूभाई रामधारी यादव उम्र ३६ और एक नाबालिग बेटा मिला। पुलिस ने शव का फोटो दिखाया और पूछताछ के लिए थाने ले आई। जिसमें उन्होंने गोलमोल जवाब दिए और संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया, जिससे पुलिस ने शंकास्पद होने से गंभीरता पूर्वक जाँच किया तो पता चला की पूरी घटनाक्रम में परिवार के लोग ही समेल हैं,

परिजनों से कड़ी पूछताछ के बाद पता चला कि मृतक ने अपनी पैतृक भूमि का कुछ हिस्सा बंटवारा कर लिया था। बची हुई जमीन को वह बेचने की फिराक में था। इसके अलावा वह शराब भी पीता था। अक्सर वह घर के सदस्यों से झगड़ा भी करता था, जिससे परिवार के लोग भी परेशान रहते थे। इसी बीच जमीन का मामला आया तो वह भड़क गये. बेटे ने अपने पिता के पैर पकड़े, पत्नी ने उसके हाथ पकड़े और दामाद ने मोबाइल फोन के केबल से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और बाद में दामाद और बेटे ने उसके शव को बाइक पर फेंक दिया. इस घटना में तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है.

खटोदरा में राज्य निगरानी सेल ने जुए के अड्डे पर छापा मारकर २४ जुआरियों को गिरफ्तार किया

पुलिस सोई रही, जबकि राज्य निगरानी सेल ने जुए के अड्डे पर छापा मारा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की खटोदरा पुलिस की नाक के नीचे पंचशीलनगर में चल रहे जुए के अड्डे पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने कल छापा मारा तो स्थानीय खटोदरा पुलिस की पोल खुली। जब मॉनिटरिंग सेल ने २४ जुआरियों को नकदी समेत वहां से खदेड़ा , मोबाइल और वाहन समेत लाखों रुपये का सामान जब्त किया गया।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार खटोदरा थाना अंतर्गत पंचशील नगर में प्लॉट नंबर २५७ के खुले भूखंड पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल की ओर से छापेमारी की गई। पुलिस को देखकर मौके पर मौजूद जुआरी भाग गए। २४ जुआरी गिरफ्तार किए गए। जुआरियों के पास से चार वाहन और नकदी और २४ मोबाइल फोन बरामद किए गए और कुल १.२० लाख रुपये जब्त किए गए। जबकि आरोपी लाल पाटिल और प्रकाश उर्फ डुक्कर को वांछित घोषित किया गया। इसके अलावा, छापेमारी के बाद खटोदरा पुलिस पर भी सवाल खड़े हो गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १७ को नवनिर्मित एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे

टर्मिनल में गुजरात की संस्कृति को दर्शाने वाली कलाकृतियां बनाई गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १७ तारीख को गुजरात दौरे पर जाएंगे, सूरत में नवनिर्मित एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी के आगमन को लेकर पार्टी नेता अभी से तैयारियों में जुट गए हैं। नए एयरपोर्ट टर्मिनल की बात करें तो इसे कई सुविधाओं से लैस किया गया है।

टर्मिनल में गुजरात की संस्कृति को दर्शाने वाली कलाकृतियां हैं, नए टर्मिनल में १८०० यात्रियों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त जगह है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान यात्रियों के लिए दो एक्जीक्यूटिव लाउंज बनाए गए हैं। वहीं नए टर्मिनल में पांच एयरोब्रिज तैयार किए गए हैं। सूरतवासियों को १७ दिसंबर को नये टर्मिनल की सौगात मिलेगी।

ऐसी भी अटकलें हैं कि पार्टी के स्थानीय नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठकें की जाएंगी। प्रधानमंत्री अपने एक दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। वहीं, कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी के स्थानीय नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठकें की जाएंगी।

डायमंड ब्यूरो के लिए डंपिंग साइट बनी सिरदर्द, दूर से लगातार आ रही बदबू

पीएम और सीएम ने बार-बार इशारा किया, लेकिन प्रशासन ने आदेशों की अनदेखी की

सूरत डायमंड बूर्स के पास डंपिंग साइट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत डायमंड बुर्स का उद्घाटन होने जा रहा है। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती डंपिंग साइट है। डायमंड बुर्स से महज दूरी पर स्थित इस डंपिंग साइट पर करीब ३२ लाख मीट्रिक टन और अन्य १५ लाख मीट्रिक टन कचरा डाला गया था। इन दोनों ढेरों से ३२ लाख मीट्रिक टन कूड़ा निकाला गया है। लेकिन १५ लाख मीट्रिक टन कचरा पूरी तरह से नहीं हटने से समस्या अभी भी बनी हुई है। खजोद डंपिंग साइट पर सूरत शहर भर का कचरा डाला जाता है। अब तक यहां लाखों मीट्रिक टन कूड़ा डंप किया जाता था। इसके चलते क्षेत्र के स्थानीय निवासियों द्वारा काफी समय से शिकायतें भी की जा रही थीं।

लेकिन स्थानीय लोगों की समस्या किसी ने नहीं सुनी। अब डायमंड बुर्स के निर्माण के बाद ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि सूरत शहर का निगम देश-विदेश के लोगों के सामने खराब नजर आ रहा है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लगातार इस पर बहस करते रहे हैं। डंपिंग साइट पर बदबू इतनी असहनीय है कि वहां खड़ा होना भी मुश्किल हो गया है।

हीरे की खदानों को पार करने वाले व्यक्तियों के लिए भी दुर्गंध एक बढ़ती हुई चिंता का विषय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब भी डायमंड ब्यूरो पर समीक्षा बैठक की, उन्होंने इस मुद्दे को हमेशा नगर आयुक्तके ध्यान में लाया। हाल ही में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सूरत का दौरा किया था। उस दौरान भी डंपिंग साइट का मुद्दा सबसे ज्यादा चर्चा में रहा था। इसे जल्द निपटाने की होड़ मची रही। लेकिन अभी भी डंपिंग साइट पर कूड़े के ढेर से दुर्गंध बंद नहीं हुई है।

दुर्गंध पर काबू पाने का काम जारी है : दिनेश नावडिया

सूरत डायमंड बुर्स के प्रवक्ता दिनेश नावडिया ने कहा, सूरत नगर निगम डंपिंग साइड से २००० मीटर दूर है। चूँकि पूरे सूरत शहर का कूड़ा-कचरा वहाँ फेंक दिया जाता है, जब भी हवा का रुख उसकी ओर होता है, सूरत डायमंड बुर्स में आगंतुकों के लिए, वहाँ के कार्यालय धारकों के लिए एक अजीब सी बदबू होती है। इस बदबू के कारण कई बार लोग सिरदर्द की शिकायत करते हैं और बेचैनी महसूस करते हैं।

गुजरात सरकार और स्थानीय अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया गया है। इस पूरे मामले में सरकार और नगर निगम आयोग काफी सकारात्मक है। हालांकि, दूसरी जगह डंपिंग साइट की मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है। मंजूरी मिलते ही इस डंपिंग साइट को बंद कर दिया जाएगा और सूरत शहर में जो भी कचरा निकलेगा, उसे नई डंपिंग साइट पर डंप करना शुरू कर दिया जाएगा। उस अवधि के दौरान, डंपिंग साइट से कचरे को फ़िल्टर किया जाएगा या अलग से छलनी किया जाएगा और खाद बनाने वाले कचरे को भी गोल्फ कोर्स के अंदर लगाया जाएगा।

यहां आधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधा होगी

एसएमसी कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने कहा, हम इस मुद्दे को जल्दी सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। उंबेर गांव में नई साइट शुरूकरने की लगभग सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

एक बार जब हमें केंद्र से पर्यावरण मंजूरी मिल जाएगी, तो हम केवल १० महीनों में एक नई साइट शुरूकर सकेंगे। उंबेर साइट भारत की सबसे अच्छी और सबसे आधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधा होगी।

जिला न्यायालय की राष्ट्रीय लोक अदालत में २९ हजार मामलों का निपटारा

३१० करोड़ का सेटलमेन्ट हुआ और ४९ लाख जुर्माना वसूला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात राज्य कानून सेवा प्राधिकरण के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में, सूरत जिला कानून सेवा प्राधिकरण ने सूरत शहर-जिले के तालुका न्यायालयों में आज आयोजित विभिन्न लंबित मामलों की राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल २९,०४९ मामलों का निपटारा किया है, जिसमें ३१० करोड़ का निपटान किया गया और ४९ लाख का जुर्माना वसूला।

सूरत जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष और मुख्य सूरत जिला न्यायाधीश अतुलभाई रावल के मार्गदर्शन में सूरत जिला न्यायालय और तालुका न्यायालय में लंबित विभिन्न मामलों की राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक समझौते के मामले, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा

ई-चालान के ३१ हजार से अधिक मामले निस्तारित किये गये और २.१७ करोड़ की वसूली की गयी

१३८ के तहत मामले, बैंक धन वसूली, मोटर दुर्घटना मुआवजा, श्रम विवाद, पानी और बिजली बिल, वैवाहिक विवाद, राजस्व और सिविल के कुल ६,३८८ मामले दायर किए गए। आज जिनमें से ५,३९२ मामलों का सुलह-समझौते के जरिये निपटारा कर दिया गया है।

जबकि विशेष बैठक में कुल २३,९०३ मामलों में से २३,६५७ मामलों का निपटारा किया गया है। मोटर वाहन दुर्घटना मामले में ५० लाख, वाणिज्यिक दावे में ३०९ करोड़ का सेटलमेन्ट किया गया। इसके अलावा, वर्ष १९८८ के एक दावे समेत २३ साल पुराने एक अन्य दावे का निपटारा कर दिया गया है।

सूरत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सी.आर. मोदी ने बताया कि आज की राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल २९,०४९ मामलों का निपटारा किया गया और ३.१० करोड़ का समझौता हुआ और ४९.९६ लाख का जुर्माना वसूला गया। जबकि न्यायालयीन कार्यवाही से पूर्व प्री-लिटिगेशन के कुल २,९२९ मामले सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारित किये गये तथा ३.५५ करोड़ रूपये का समझौता कराया गया।

सूरत की जगह उधना रेलवे स्टेशन पर रुकेंगी ३५ ट्रेनें, प्रस्ताव तैयार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों और यात्रियों की भारी आवाजाही रहती है। सूरत रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन १.७५ लाख से अधिक यात्रियों का आवागमन होता है। इसलिए सूरत पर भार कम करने के लिए सूरत के आसपास के रेलवे स्टेशनों को विकसित किया जा रहा है। चूंकि उधना रेलवे स्टेशन काफी विकसित हो चुका है, इसलिए अब सूरत स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनों में से ३५ ट्रेनों को उधना में रोकने पर विचार किया जा रहा है।

रेलवे सूत्रों के मुताबिक, १९५२ में सूरत शहर की आबादी ढाई लाख भी नहीं थी और उस समय गिनती की ट्रेनें ही थीं। लेकिन अब सूरत की आबादी ७५ लाख होने का अनुमान है। सूरत रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन २०० से अधिक ट्रेनें गुजरती हैं। यहां सिर्फ चार प्लेटफॉर्म से रोजाना १.७५ लाख से ज्यादा यात्री आवाजाही करते हैं। सूरत रेलवे स्टेशन के पास इस स्थिति से निपटने की क्षमता नहीं है। इसलिए नई ट्रेनें भी शुरू नहीं की जा सकतीं और नई ट्रेनों को ठहराव देने पर विचार करना होगा। इसलिए रेलवे अब सूरत रेलवे स्टेशन पर भार कम करने के लिए सड़क पर विचार कर रहा है।

पूर्वी-उत्तर-पूर्वी राज्यों की ट्रेनों को उधना में ठहराव देने का प्रस्ताव

सूरत स्टेशन पर रुकने वाली ३५ ट्रेनों को उधना में रोकने पर विचार किया जा रहा है। उसके लिए प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है। फिलहाल ये सभी ट्रेनें पूर्वी और उत्तर-पूर्वी राज्यों

की हैं। इन ट्रेनों को उधना में रोकने के बाद उन ट्रेनों को सूरत में भी रुकने दिया जाए या सूरत रेलवे स्टेशन से छोड़ दिया जाए यह रेलवे मुख्यालय तय करेगा। स्टेशन पर अब भी रोजाना २० हजार यात्रियों का आवागमन रहता है।

इसके अलावा भेस्तान रेलवे स्टेशन का भी विकास किया जा रहा है। इसके विकास के बाद, उत्तर भारत और पूर्वी भारत से कुछ ट्रेनें भेस्तान रेलवे स्टेशन पर भी रुकेंगी ताकि पांडेसरा, उधना, डिंडोली, लिंबायत, गोडादरा, सचिन, भेस्तान क्षेत्र में रहने वाले प्रवासियों के लिए सूरत रेलवे स्टेशन तक आना नही पडे । गौरतलब है कि उधना रेलवे स्टेशन पर फिलहाल दो नए प्लेटफॉर्म बन चुके हैं और एक और प्लेटफॉर्म बनने जा रहा है। सूरत रेलवे स्टेशन पर पार्किंग की भी समस्या है। रेलवे स्टेशन के बाहर भी ट्रैफिक है। अगर ट्रेनों को उधना स्टेशन पर ठहराव मिलेगा तो सूरत रेलवे स्टेशन पर इतने यात्री नहीं आएंगे, जिससे पार्किंग की समस्या नहीं होगी और सूरत रेलवे स्टेशन के बाहर ट्रैफिक की भी समस्या नहीं होगी। इसके अलावा उधना रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र का भी विकास किया जाएगा।

उधना रेलवे स्टेशन से रोजाना २० हजार से ज्यादा यात्री सफर करते हैं

सूरत शहर की जनसंख्या बेतहाशा बढ़ती जा रही है। सूरत रेलवे स्टेशन पर चार से अधिक प्लेटफार्म की जगह नहीं है। जिसके कारण दूसरा विकल्प ढूंढने की तत्काल आवश्यकता है। जिसमें उधना रेलवे स्टेशन सबसे अच्छा विकल्प बनकर उभर सकता है।